साल 6 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-3 अक्टूबर-2023 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

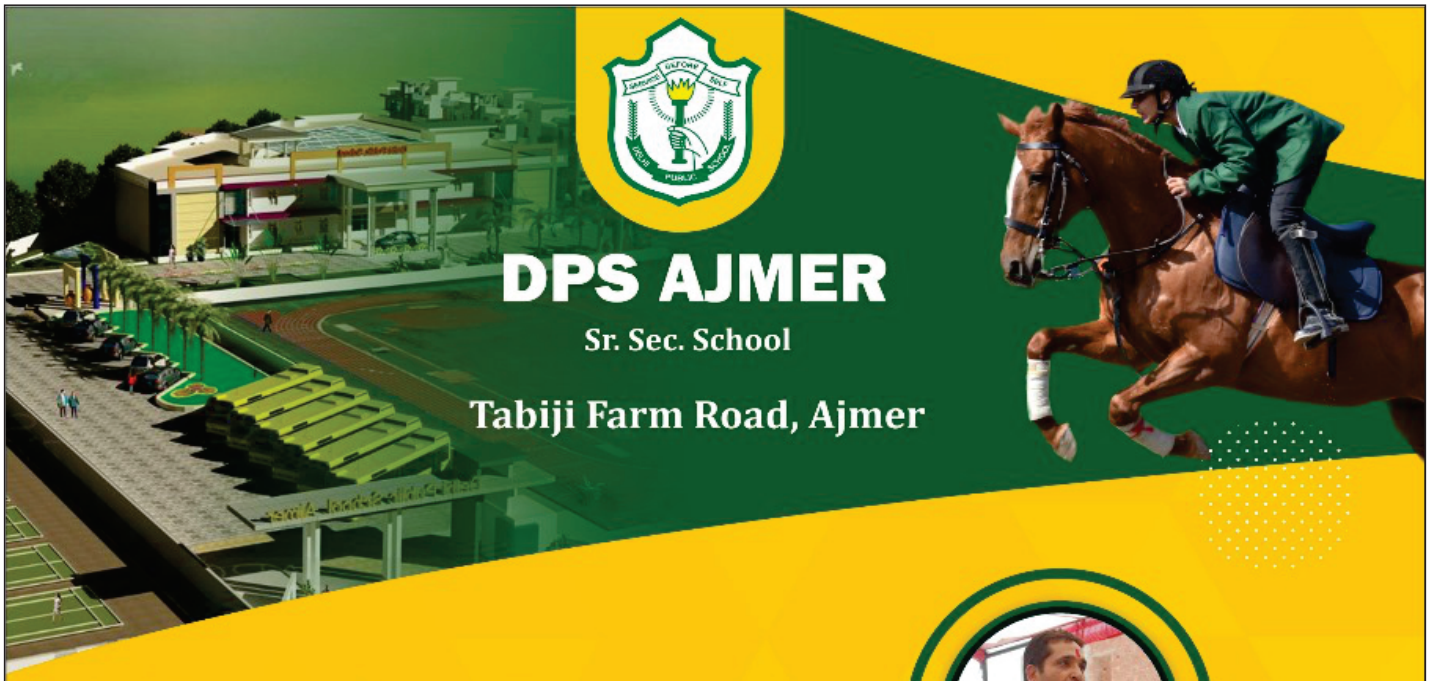

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

साथियों, दीपावली का त्यौंहार जल्द ही आ रहा है। आप सभी इन दिनों घरों की सफाई में व्यस्त होंगे। सही भी है, वर्षाकाल में घरों में सीलन आ जाती है और घरों व वस्तुओं को इसके दुष्प्रभाव से बचाने के लिए सफाई करना वैज्ञानिक रूप से सही है। धार्मिक रूप से माना जाता है कि स्वच्छ स्थान पर ही लक्ष्मी का आगमन होता है। ऐसे में गैर जरूरी सामान भी हट जाता है तथा शेष सामान व्यवस्थित होकर नये के लिए गुंजाइश हो जाती है। इससे घर का माहौल भी अच्छा हो जाता है।

राम ने भी रावण रूपी बुराई को इस धरा से हटा कर भय, आतंक व नकारात्मकता को हटाया था, इसके बाद ही राम राज्य आया जो चिरकाल से आज तक हमारी स्मृति में है।

हमें भी इस सफाई के दौर में अपने मन के विकारों को हटाना चाहिए तब ही अच्छे विचारों का मन मंदिर में प्रवेश होगा। ऐसे में हम दीपोत्सव के 5 दिवसीय त्यौहार को उत्साह, उमंग व खुशी के साथ हिलमिलकर मनाएं तथा अपनों का दिल जीते। राम जब तक अयोध्या में रहे 'राम' (राजकुमार) कहलाए। किन्तु माता-पिता की आज्ञा का पालन करके जब वन गमन किया तो वन में अनेक कठिनाईयों का सामना किया। आतताई रावण पर अल्प संसाधनों से विजय प्राप्त कर लौटे तो अनेक अनुभव संजोकर लाये। उनके चरित्र में सादगी, त्याग, सहिष्णुता, प्रेम, भातृत्व, सेवा आदि गुणों का समावेश हो गया तथा अपने जीवन में अनेक मर्यादाएं स्थापित कर **'मर्यादा पुरुषोत्तम राम'** कहलाए। हमें भी 'राम' के चरित्र के इन गुणों को धारण करने का प्रयास करना चाहिए। यदि घर से दूर उच्च अध्ययन, व्यापार या नौकरी के लिए जाना पड़े तो अवश्य जायें पर मर्यादाओं व प्रगति के लक्ष्य का हमेशा ध्यान रखें।

दीपावली बाद 5 राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। कुमावत समाज का बाहुल्य राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्यों में है। हमारी जनसंख्या व क्षेत्र विशेष में बाहुल्य के बल पर हमें राजनैतिक पार्टियों से टिकिट मिले इसके लिए आपसी मतभेद भुलाकर संगठित प्रयास करने होंगे।

यदि हमारे समाज के प्रत्याशियों को किसी भी दल से टिकिट मिल जाये तो उसके वोट काटने के लिए समाज का कोई निर्दलीय प्रत्याशी खड़ा नही हो तथा समाजजन उसे जिताने का हर सम्भव सार्थक प्रयास करें। याद रखिए, बिना राजनैतिक प्रतिनिधित्व के हमारी बात कौन सुनेगा? इसलिए कुमावत समाज का कोई भी व्यक्ति हमारे समाज के नेता हमारे समाज के प्रत्याशी के विरोध में बयानबाजी व प्रचार नहीं करें। हम सभी के सम्मिलित प्रयासों से हमें अवश्य सफलता मिलेगी। उदाहरण सामने है कि कुमावत महापंचायत में शक्ति प्रदर्शन के बाद **'स्थापत्य कला बोर्ड' का गठन हुआ तथा जयपुर में छात्रावास के लिए 2500 वर्ग मीटर भूमि सरकार से आवंटित हुई।** निसंदेह इसके पीछे श्री मुकेश वर्मा के अथक प्रयास रहे, उन्हें साधुवाद। परिणाम स्वरूप **श्री मुकेश वर्मा स्थापत्य कला बोर्ड के प्रथम अध्यक्ष तथा श्री कैलाश कुमावत उपाध्यक्ष बनाए गए, इन दोनों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर सभी पाठकों को दीपावली के 5 दिवसीय पर्व के लिए हार्दिक शुभकामना।

- रमेश चन्द कुमावत

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
दीपावली पर एक अपील	4
मुकेश वर्मा के प्रयास सार्थक	5
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी	5
कुमावत गौरव : आर्टिसट डॉ. राम सिंह राजोरिया	6
31वाँ मास्टर भौंरी लाल वर्मा स्मृति समारोह	7
कारगिल शहीद सीताराम कुमावत का 49वाँ जन्मदिवस	7
बाबूलाल कुमावत को स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 प्रदान	7
कुमावत समाज, सूरत द्वारा गौ-सेवार्थ भजन संध्या का आयोजन	8
त्रिवेणी धाम में 151 प्रतिभाओं का सम्मान	8
44 खेड़ा बलूंदा पट्टी (जैतारण) में आम सभा	8
राम स्तम्भ स्थापित होंगे	8
श्रीमती कृष्णा कुमावत ने यूजीसी नेट परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण	9
पिंकी कुमावत को पीएचडी उपाधि प्रदान	9
पवन कुमावत CAG लेखाकर नियुक्त	9
निर्मला व पायल का राज्य स्तर पर रगबी फुटबाल के लिए चयन	9
श्री गोपाल कुमावत ने 21 लाख 'राम' नाम लिखे	9
कुमावत समाज इंदौर का मिलन समारोह	10
भामाशाह बालचन्द गेंदर ने छात्रावास हेतु दिए 3 लाख 50 हजार रुपए	10
उज्ज्वल धनेरिया भाजपा युवा मोर्चा नगर उपाध्यक्ष नियुक्त	10
महेश की 'सनातन' पेंटिंग को राज्य स्तर का पुरस्कार	10
कमलेश कुमावत की चाकू से गोद कर हत्या	10
तीर्थराज 'श्री मणिकर्ण' का महात्म्य	11
सीनियर सिटीजन और सुखी परिवार	11
'कुमावत समाज भवन' मालवीय नगर, जयपुर के लिए दो शब्द...	12
नारी एक रूप अनेक	12
कुमावत विज़न : 2030 : प्राचीन मूल्यों का महत्व और हमारा समाज	13
एक सम्मान माँ के नाम: एक सम्मान आपके सर्पोट सिस्टम और आपके हौसलों के नाम	14
लक्ष्मी जी के मंदिर कहां-कहां	15
मालवीय नगर, जयपुर में समाज का 'महिला शक्ति संगम'	17
बधाई विज्ञापन	18
भारत के मिसाइल मैन डॉ. अब्दुल कलाम	19
गणेशजी को विदा नहीं करें...	19
रियासतों से भारत बनाने के शिल्पी सरदार वल्लभ भाई पटेल	20
दीवाली पर यूं बनाए काजू कतली	20
दीपावली से जुड़ी बचपन की यादें और अब के अहसास.....	21
अखण्ड सौभाग्य के लिए करवाचौथ व्रत	23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र	26
प्रेम देवी बनी वॉल पेंटिंग आर्टिसट	27
श्री महेन्द्र कुमार कुमावत को पीएचडी की डिग्री प्रदान	27
विज्ञापन	28
श्रद्धांजलि विज्ञापन	29
बधाई विज्ञापन	30

दीपावली पर एक अपील

'कुमावत इंडिया पत्रिका' के सदस्यगणों, पाठकों, समाज बंधुओं एव प्यारे देशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। दीपावली के इस पावन पर्व को प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ ससम्मान आपस में मिलकर मनाएं। खासकर बच्चों से अपील है कि वे पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रीन पटाखों का प्रयोग करें। पटाखें चलाएं भी तो कम आवाज वाले पटाखें ही चलाएं, ताकि आस-पास कहीं प्रदूषण न फैले जिससे बेवजह किसी को परेशानी न हो। छोटे बच्चों, बीमार तथा वृद्धजनों के आस-पास पटाखों का शोर-शराबा करने से परहेज करें। अस्थमा और सांस के रोगियों की परेशानियां प्रदूषण के कारण अत्यधिक बढ़ जाती हैं। ऐसे में सभी की भावनाओं की कद्र करते हुए प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाएं।

दीपावली के अवसर पर न सिर्फ मिठाइयों में बल्कि खाने-पीने की चीजों जैसे दूध, पनीर, मावा इत्यादि में भी मिलावट हो सकती है। इसीलिए आप इनको खरीदते समय विशेष सावधानी बरतें और बिल के साथ खरीदे, नशे से परहेज करें और वाहन नियम अनुसार ही चलाएं।

स्वदेशी मिट्टी के दीए जलाएं, रंगोली बनाने के लिए हल्दी, रोली, चावल आदि का प्रयोग करें। घर को सजाने के लिए प्राकृतिक फूल पत्ती का प्रयोग करें। चाइनीज सामान का बहिष्कार करें। पत्रिका की अपील है कि प्रकाश पर्व को दीप जलाकर ईको फ्रेंडली तरीके से मनाएं और प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प लें कि दीपावली पर असहाय व जरूरतमंद लोगों के बीच जाकर त्योहार की खुशियां बांटने का काम करें तथा दीपावली पर्व को पूरे उत्साह व आनंद के साथ मनाएं। इसी में इस पर्व की पूर्ण सार्थकता है।

-एडवोकेट रामप्रकाश कुमावत (मारोठिया)
अध्यक्ष, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

मुकेश वर्मा के प्रयास सार्थक

● स्थापत्य कला बोर्ड का प्रथम अध्यक्ष मुकेश वर्मा बने ● छात्रावास हेतु गोविन्दपुरा में भूमि आवंटित

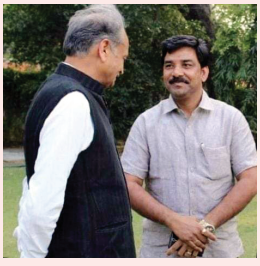

जयपुर, 10 अक्टूबर, 2023। श्री मुकेश वर्मा (कुमावत) पुत्र श्री बाबूलाल मारोड़िया जो राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य हैं, को राजस्थान सरकार ने **स्थापत्य कला बोर्ड** का प्रथम अध्यक्ष तथा श्री कैलाश कुमावत को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। दोनों ने अपना कार्यभार 10 अक्टूबर, 2023 को मध्याह्न पूर्व ग्रहण कर लिया है। श्री मुकेश वर्मा को राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। इस समाचार को सुनकर कुमावत समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई।

कुमावत समाज के पास अपने बेटे-बेटियों को पढ़ाने के लिए राजस्थान की राजधानी जयपुर में कोई छात्रावास नहीं था। **श्री कुमावत शिक्षा कोष ट्रस्ट (रजि.)** द्वारा छात्रावास हेतु रियायती दर पर भूखण्ड आवंटित करने हेतु आवेदन किया था, जिसे सरकार द्वारा कैबिनेट मीटिंग में शामिल कर आरक्षित दर के 10% भुगतान पर 2500 वर्गमीटर तक की भूमि आवण्टित करने की स्वीकृति दी। कुमावत समाज को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा गोविन्दपुरा, कालवाड़ रोड, जयपुर में 2500 मीटर भूमि आवंटित कर दी है। इसका भुगतान लगभग 70 लाख रुपए जेडीए में जमा कराकर भूमि का कब्जा ले लिया गया है। इस भूखण्ड का वर्तमान में अनुमानित बाजार मूल्य 40-50 करोड़ रुपए है।

इसके लिए भागीरथी प्रयास पीसीसी सचिव श्री मुकेश वर्मा ने किए हैं तथा चंद महीनों में सरकार से यह भूमि दिलवा दी है। श्री मुकेश वर्मा भीलवाड़ा के प्रभारी भी है और सहाडा उपचुनाव इनके प्रभारी रहते हुए चुनाव प्रचार के दौरान भीलवाड़ा के कुमावत समाज को भी मुकेश वर्मा जी ने आश्वस्त किया था कि 'लंबे अरसे से लम्बित छात्रावास हेतु भूमि की माँग को पूरा करवाया जायेगा, आप एकजुट होकर प्रयास करें।' श्री मुकेश वर्मा के प्रयासों से भीलवाड़ा के कुमावत समाज को भी सरकार द्वारा आरक्षित दर के 10% भुगतान पर 955 वर्गमीटर भूमि छात्रावास हेतु आवंटित करने की स्वीकृति दे दी है।

श्री मुकेश वर्मा को राज्य सरकार द्वारा स्थापत्य कला बोर्ड का अध्यक्ष (राज्य मंत्री) बनाए जाने पर गोविन्दपुरा कालवाड़ रोड जयपुर समिति के तत्वावधान में इनका अभिनन्दन समारोह जीण पैराडाइज में रखा गया जिसमें इस संस्था तथा कुमावत समाज के जयपुर, सीकर, बगरू, जोबनेर तथा आसपास के क्षेत्रों से गणमान्य लोगों ने पधारकर श्री मुकेश वर्मा को बधाई देते हुए उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर श्री मुकेश वर्मा ने बताया कि इसका प्रथम श्रेय राजस्थान के यशस्वी मुख्यमन्त्री श्री अशोक गहलोत जी तथा कुमावत महापंचायत में समाज द्वारा दिखाई गई एकजुटता को भी है।

छात्रावास के लिए भूमि आवंटन तथा श्री मुकेश वर्मा को स्थापत्य कला बोर्ड के अध्यक्ष बनाए जाने पर माननीय श्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री मुकेश वर्मा को हार्दिक शुभकामना।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की 16 अक्टूबर, 2023 को मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें नई कार्यकारिणी चुनी गई। अध्यक्ष पद पर श्री राम प्रकाश मारोठिया एडवोकेट तथा उपाध्यक्ष श्री राम प्रकाश मारवाल चुने गये। श्रीमती भारती तोंदवाल (मंत्री) तथा श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल (कोषाध्यक्ष) पूर्व की भांती रहेंगे। निवर्तमान अध्यक्ष श्री रमेश चन्द कुमावत (गैदर) को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का **सम्पादक** बनाया गया। श्री जयकिशन सोकिल को **संरक्षक** तथा श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) को **मुख्य सलाहकार** मनोनीत किया गया। **सम्पादक मण्डल** में श्रीमती उर्वशी बालोदिया (लेखिका), श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा तथा श्रीमती प्रिया मारवाल एसोसिएटेड प्रोफेसर मनोनीत किया गया है। **व्यवस्थापक मण्डल** सदस्यों में श्री लालचन्द धुंधारिया, राजेश मारोठिया, सुरेन्द्र मारोठिया एवं श्री महेश जलान्धरा को फिर से लिया गया। श्री प्रभुदयाल तुनगरिया (किशनगढ़) व श्री रवि बेडवाल (ब्यावर) को **पत्रिका सहयोगी एवं प्रभारी** मनोनीत किया गया है। नवीन पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।

- सह सम्पादक

आर्टिस्ट डॉ. राम सिंह राजोरिया

विश्व की सूक्ष्मतम श्रीमद्भागवत गीता लिख किया अद्भुत कारनामा

बुक साइज 10 मिमी ×10 मिमी (प्लेट साइज साढ़े 3 इंच × 5 इंच)

जयपुर के आर्टिस्ट राम सिंह राजोरिया ने 2 साल के अथक प्रयास के बाद साढे 3 इंच × 5 इंच साईज में श्रीमदभागवत गीता लिखकर अद्भुत कारनामा किया है।

माइक्रो आर्ट के शौकीन आर्टिस्ट रामसिंह कई ऐसी चीजें बना चुके हैं जिन्हें देखकर लोग दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो जाते हैं। इस तरह का अद्भुत चमत्कारिक कार्य श्रीकृष्ण भगवान एवं गुरु के आशीर्वाद के बिना होना संभव ही नहीं है। श्रीमद्भागवत गीता के 18 अध्याय 700 श्लोक इतनी बारीकी से प्लेट पर उकेरे गए हैं जिन्हें नंगी आंखों से देख पाना असम्भव है तथा 50 गुना बड़ा करने पर ही ये श्लोक पढ़े जा सकते हैं। कई विश्व कीर्तिमान व अनेक संस्थाओं व संस्कृत के विद्वानों एवं राज नायकों द्वारा विश्व की सूक्ष्मतम श्रीमद्भागवत गीता को श्रेष्ठतम सम्मान दिया गया है।

स्वभाव से सरल रामसिंह जी बताते हैं की **श्रीमद्भागवत गीता** उनके द्वारा किए गए कार्यों में सर्वश्रेष्ठ है। वे चाहते हैं कि इस सूक्ष्मतम गीता को विश्व में उचित सम्मान मिले।

इन्टरनेशनल बुक आफ रेकॉर्ड्स संस्था ने आर्टिस्ट श्री रामसिंह राजोरिया को विश्व की सूक्ष्मतम **श्रीमद्भागवत गीता** लिखने के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। WEBBIC UNIVERSITY, GHANA द्वारा 1 अक्टूबर, 2023 को श्रीराम सिंह राजोरिया को माइक्रो कार्य तथा विश्व की सूक्ष्मतम हस्तलिखित भागवत गीता लिखकर रिकॉर्ड तोड़ने के उपलक्ष्य में डॉक्टरेट की मानद उपाधी से सम्मानित किया है।

आर्टिस्ट रामसिंह ने पिछले 30 वर्षों में अनेक ऐसे कार्य किए हैं जो बेहद चकित कर देने वाले हैं। चावल के दानों पर उन्होंने 4000 अक्षर, 203 हाथी, राष्ट्रगान, दी टेन कमांडमेंट, 21 गणेशजी, विश्वविख्यात लोगों के पोर्ट्रेट, णमोकार मंत्र, गायत्री मंत्र आदि उत्कीर्ण किए हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आर्टिस्ट श्री रामसिंह राजोरिया को इस अनूठी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।

Ram Singh Rajoria
9352148279

Shanti Raj

Rohit Rajoria
9314522756

KENT
Health Care
PRODUCTS

House of
Purity

विज्ञापन

Shanti Raj Associate

(Auth. Distributor & Service Centre For KENT R.O.)
(Deals in All Type of : Domestic & Commercial R.O.)

Near Sanganer Fly Over, Pratap Nagar, Sanganer, Tonk Road Jaipur

E-mail : shantirajassociate@gmail.com

31वाँ मास्टर भौंरी लाल वर्मा स्मृति समारोह

कुमावत समाज के अग्रपुरूष मास्टर भौंरी लाल वर्मा वर्मा की 109वीं जयन्ती पर उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने एवं चिरस्मरणी सेवाओं की निरन्तरता में 24 सितम्बर, 2023 को गूर्जर की थड़ी, जयपुर पर 31वाँ मास्टर भौंरी लाल वर्मा स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री रामजीलाल वर्मा, रामपाल जूनवाल, हरीष कुमार वर्मा, प्रबोध चन्द्र कुमावत, किशोर कुमार देवतवाल, बनवारी लाल तोंदवाल, राजेन्द्र प्रसाद जूनवाल, राधेश्याम तोंदवाल, रामधन देवतवाल, रविकान्त वर्मा ट्रस्टीगण के अलावा समाज के गणमान्य बन्धुओं ने मास्टरजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रृद्धा सुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री रामजीलाल वर्मा द्वारा मास्टर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि मास्टर जी जीवन पर्यन्त शैक्षणिक कार्यो के साथ साथ समाज सेवा में जुटे रहे। मास्टरजी प्रतिभावान एवं निर्धन विद्यार्थियों को मार्गदर्षन एवं आर्थिक सहायता, शैक्षणिक शुल्क, पाठ्य पुस्तकों आदि की व्यवस्था करना ही अपना धर्म समझते थे। उनके बारे में राजस्थान विश्वविद्यालय के इतिहास में आज भी स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है कि मास्टर साहब की वांछित शैक्षणिक योग्यता नहीं होने के उपरान्त भी 60 वर्ष पूर्ण करने के उपरान्त भी दो वर्ष की सेवाभिवृद्धि करते हुए एक्स कॉडर पदोन्नति देकर सहायक कुलसचिव के पद पर पदोन्नत किया गया।

इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा एक एन.जी.ओ. 'मस्ती की पाठशाला' के फाउण्डर श्री अनुज श्रीवास्तव के साथ कच्ची बस्तियों में रहने वाले, कचरा बीनने, भीख मांगने वाले एवं अभद्र भाषा बोलने वाले नन्ने-मुन्ने बच्चों एवं जरूरत मन्द महिलाओं को सभ्य, साक्षर एवं संस्कारित कर देश की मुख्य धारा से जोड़ने का अथक एवं सफल प्रयास किये जाने की अनूठी पहल की है। इसके ट्रस्ट द्वारा भिक्षावृत्ति के खिलाफ मुहिम चलाकर कच्ची बस्तियों में रहने वाले जरूरत मन्द बच्चों एवं महिलाओं को विभिन्न कार्यशालाओं से यथा पतंग की कार्यषाला, मिट्टी की कार्यशाला एवं कपड़े के थैले बनाने की कार्यशाला आदि से जोड़ने का कार्य किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा इस वर्ष दीपावली पर मिट्टी की कार्यशाला में बने हुए दीपकों से दीपावली पर दीपक जलाने के साथ साथ 51 पैकेट (एक पैकेट में 100 दीपक, एक बड़ा दीपक एवं एक कलश) लेकर निर्धन परिवारों में वितरित किये जाने का निर्णय लेकर सहयोग प्रदान किया गया। ट्रस्टीगणों के परिवार से 51 साड़ियाँ एकत्रित कर थैले बनाने की कार्यशाला के लिए उपलब्ध कराया गया है।

कार्यक्रम में ट्रस्ट से पूर्व में लाभान्वित हुए श्री सोहन लाल कुमावत द्वारा अपनी ओर से ट्रस्ट को छात्रवृत्ति के रूप में दस हजार रूपये की राशि उपलब्ध करवायी। इस राशि से कार्यक्रम के दौरान ही निर्धन एवं प्रतिभावान दो छात्राओं को छात्रवृत्ति के रूप में वितरित की गई। श्री सोहन लाल ने अपने वक्तव्य में बताया कि वे कभी भी मास्टरजी से नहीं मिले, लेकिन उनके चित्र को देखने मात्र से ही अनुभव होता है कि वे तत्समय कितने विलक्षण प्रतिभा के धनी होंगे! जिनको इतने वर्षो बाद भी समाज के ही नहीं वरन अन्य समाज के लोग याद करते हैं। - **रविकान्त वर्मा,** मंत्री

कारगिल शहीद सीताराम कुमावत का 49वाँ जन्मदिवस 30 प्रतिभाओं को सम्मानित किया

शहीद सीताराम कुमावत जनसेवा संस्थान के तत्वावधान में पलसाना के कन्हैयालाल ताम्बी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण व विद्यालय की प्रतिभाओं का सम्मान कर कारगिल अमर शहीद ग्रेनेडियर सीताराम कुमावत का 49वाँ जन्मदिवस मनाया गया। संस्थान अध्यक्ष नवीन सिरस्वा ने बताया कि खेल व शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल तीस विद्यार्थियों व शिक्षकों को मोमेंटो व कलम प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वीरांगना श्रीमती सुनीता जी, पुत्र आशीष जी, कोषाध्यक्ष राजेश जी कुदाल, सचिव मुकेश जी नेमिवाल, प्रधानाचार्य मदनलाल जी यादव, कमल जी मीणा, सुभाष जी बिजारणियां, रामचंद्रजी बिजारणियां, बृजेश जी यादव, पंच बाबूलाल जी, प्रकाश जी राजोरिया, सीताराम जी दम्मीवाल, लालचन्द जी स्वामी, रामोतार जी शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग व विद्यार्थी उपस्थित थे।

बाबूलाल कुमावत को स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 प्रदान

श्री बाबूलाल कुमावत निवासी पंचायत समिति बस्सी नागा ने शिक्षा, नवाचार एवं स्किल डवलपमेंट के कार्यों को कर अपना अहम योगदान दिया है। इन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिसमें जयपुर रत्न सम्मान भी सम्मिलित है।

शक्ति फिल्म प्रोडक्शन एवं शक्ति हेल्पिंग हैण्ड के संयुक्त तत्वावधान में हाल ही में इन्हें स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री बाबूलाल कुमावत को यह सम्मान दिए जाने पर हार्दिक बधाई।

कुमावत समाज, सूरत द्वारा गौ-सेवार्थ भजन संध्या का आयोजन

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज, सूरत द्वारा हर वर्ष कि भांती जय बाबा रामदेव छटी विशाल पैदल यात्रा के उपलक्ष में गौ-सेवार्थ भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों ने बाबा के भजनों का आनन्द लिया व समाज बन्धुओं ने श्रद्धानुसार एक लाख से अधिक रु. का गौदान दिया। समाज के स्नेह मिलन में स्वजातीय समाजबंधु सपरिवार शामिल हुए। इस कार्यक्रम के भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री कैलाश जी घोड़ावड़ मुख्य अतिथि थे। आयोजकों ने उन्हें राजस्थान कि आन बान शान साफा व दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। श्री घोड़ावड़ ने अपने वक्तव्य में समाज के युवाओं को सही दिशा मे कार्य करने को प्रेरित किया व सोशल मीडिया से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने शिक्षा व राजनीतिक के क्षेत्र में भी युवाओं को आगे आने कि अपील की तथा अगले वर्ष समाज के जितने भी बच्चे 80 प्रतिशत व अधिक अंक लाएंगे उन्हे सम्मानित किया जाएगा। अतिथि के रुप में युवा संगठन सूरत के अध्यक्ष कैलाश किरोड़ीवाल व समाजसेवी प्रवीण चंदोरा, समाजसेवी रामलाल, आयोजकगण तथा समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए।

त्रिवेणी धाम में 151 प्रतिभाओं का सम्मान

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह विकास समिति की ओर से त्रिवेणी धाम में 2 अक्टूबर को कुमावत धर्मशाला में श्री रामरिछपाल दास जी महाराज के सानिध्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

बोर्ड, महाविद्यालय एवं आईटीआई में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण, खेल-कूद में अव्वल आने वाले तथा राजकीय सेवाओं में चयनित 151 से अधिक समाज प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विमल कुमावत देवीलाल आई हॉस्पिटल, चौमूं थे तथा अध्यक्षता श्री अशोक कुमार मारवाल द्वारा की गई। अतिथियों ने समाज में महिला शिक्षा पर विशेष जोर दिया तथा कहा कि प्रतिभाएं देश की पहचान होती हैं। इस कार्यक्रम में श्री माधोपुर, रिंगस, खेतड़ी, नीम का थाना, सीकर, खण्डेला, सामोद, बहरोड, अलवर, अजीतगढ़ तथा कोटपूतली के लोगों का सम्मान हुआ।

कार्यक्रम में उद्योगपति कमल कुमावत, मोहनलाल, अमरचन्द कुमावत, राकेश तूंदवाल, संतोष कुमावत, रामकिशोर, अमरचन्द, जगदीश प्रसाद, गंगाराम, मालीराम, मातादिन कुमावत तथा रामेश्वर लाल आदि ने भी शिरकत की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीमती भारतीय तोंदवाल सचिव भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुई।

44 खेड़ा बलूंदा पट्टी (जैतारण) में आम सभा

कुमावत समाज संस्थान,ब लूंदा ग्राम जैतारण की आम सभा 44 खेड़ा के न्याती नोहरे में आयोजित हुई, अध्यक्ष सगनाराम माननीया के अनुसार समाज सुधार व शिक्षा को लेकर पंच-पटेलों ने भाग लिया। बैठक में संस्थान के उद्देश्यों में सुधार, परिसीमा वृद्धि तथा व्याप्त कुरीतियों को हटाने को लेकर चर्चा हुई।

राम स्तम्भ स्थापित होंगे

अयोध्या जी से रामेश्वरम तक भगवान श्री राम जी के, गमन पथ के 290 स्थानों पर इस प्रकार के ऐतिहासिक भगवान श्री राम स्तम्भ लगेंगे। जिन पर, हमारे धर्म इतिहास ग्रन्थों का वर्णन अंकित होगा।

श्रीमती कृष्णा कुमावत ने यूजीसी नेट परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण

मदनगंज किशनगढ़ निवासी श्रीमती कृष्णा कुमावत पत्नी श्री वेदप्रकाश कुमावत (तोंदवाल) ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा-2023 में 94.60% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

श्रीमती कृष्णा कुमावत सीकर जिले की दातां रामगढ़ तहसील के ग्राम गोवटी निवासी श्री राम गोपाल कुमावत की पुत्री है, इन्होने प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण अंचल के राजकीय विद्यालय में प्राप्त की। विवाह उपरान्त आम गृहिणी के रूप में कार्य करते हुए, दो बच्चों व परिवार की सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए, स्नातक व स्नातकोत्तर कला संकाय से तथा बी.एड. किया। मदनगंज-किशनगढ़ में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में श्रीमती कुमावत को समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

श्रीमती कुमावत ने दस वर्ष पूर्व मदनगंज-किशनगढ़ में महिलाओं एवं बालिकाओं में जनजागृति पैदा करते हुए, कुमावत समाज की स्थानीय सामाजिक इकाईयों में महिला मण्डल का गठन किया, जो आज भी गतिशील व सक्रिय है। **कुमावत समाज महिला मण्डल, मदनगंज-किशनगढ से प्रेरित होकर प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर कुमावत समाज के महिला मण्डल बनने लगे।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीमती कृष्णा कुमावत को यूजीसी नेट परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण होने पर हार्दिक बधाई।

पिंकी कुमावत को पीएचडी उपाधि प्रदान

पिंकी कुमावत, एम.कॉम, एम.फिल. ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर से **महिला के आर्थिक व सामाजिक विकास में सहकारी बैंकों की भूमिका** पर प्रो. (डॉ.) उन्मेरवा तारे के निर्देशन में शोध किया है। इनकी शोध से बैंकों के प्रति महिलाओं में जागरूकता आएगी, महिला उद्यमिता क्षेत्र में वृद्धि होगी तथा महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक विकास होगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से पिंकी कुमावत को पीएचडी की डिग्री मिलने पर हार्दिक बधाई।

कविता कुमावत सुपुत्री श्री सुभाष चन्द्र कारगवाल निवासी ततारसर का Central Excise Customs and GST Inspector के पद पर नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई।

सुमन कुमावत पत्नी श्री अजय कुमावत , गांव पिचानवा,सूरजगढ़ झुंझुनूं का अध्यापक लेवल-1 में चयन होने पर बधाई।

श्री गोपाल कुमावत ने 21 लाख 'राम' नाम लिखे

श्री गोपाल कुमावत मारवाल निवासी मानसिंहपुरा, जयपुर ने 30 वर्ष पहले 'राम' के 21 लाख नाम लिखने का संकल्प लिया था। इन्होने यह लक्ष्य पूर्ण कर लिया है। उनका कहना है कि वे इस कार्य को जारी रखे हुए है उससे उन्हें सन्तुष्टि मिलती है। इस उपलब्धि पर श्री गोपाल कुमावत को हार्दिक बधाई।

पवन कुमावत CAG लेखाकर नियुक्त

Controller and Auditor General of India में देव लाइब्रेरी कुचामन सिटी के अभ्यर्थी श्री पवन कुमावत सुपुत्र मोहनलाल जी भोभरिया भोफा का बास का लेखाकर के पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई।

अंजु कुमावत पुत्री श्री पेमा राम जी बारावाल , निवासी भादवा, तहसील की. रेनवाल, जिला जयपुर ग्रामीण का सैकेंड ग्रेड संस्कृत में चयन होने पर बधाई।

निर्मला व पायल का राज्य स्तर पर रगबी फुटबाल के लिए चयन

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नावां सिटी की छात्रा निर्मला कुमावत पुत्री महेन्द्र कुमार और पायल कुमावत पुत्री बजरंग लाल का 19 वर्षीय छात्रा रगबी फुटबाल प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयन किया गया है। निर्मला कुमावत स्वयं विद्यालय टीम की कोच व कप्तान है तथा विद्यालय में शारीरिक शिक्षक का पद रिक्त होने के बावजूद भी इस विद्यालय को खेल क्षेत्र में लगातार सफलता मिल रही है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से निर्मला कुमावत व पायल कुमावत को हार्दिक बधाई।

कुमावत समाज इंदौर का मिलन समारोह

13 अक्टूबर को कुमावत समाज का मिलन समारोह इंदौर में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप चौधरी तथा भाजपा किसान मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष साँवेर नेमीचंद कारवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस समारोह में भजन संध्या के साथ सहभोज का भी आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे कुमावत समाज के वरिष्ठजनों नवयुवकों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष श्री मनीष जी चौरमा ने कुमावत समाज सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

भामाशाह बालचन्द गेंदर ने छात्रावास हेतु दिए 3 लाख 50 हजार रुपए

चित्तौड़गढ़ में निर्माणाधीन श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास में कमरा निर्माण के तहत भामाशाह श्री बालचंद जी पिता स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल जी गेंदर ने 50 हजार रुपए की सातवीं किस्त जमा कराई। इनके द्वारा कुल राशि 3 लाख 50 हजार रुपए जमा कराए जाने पर समिति ने गेंदर परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

उज्ज्वल धनेरिया भाजपा युवा मोर्चा नगर उपाध्यक्ष नियुक्त

साँवेर भारतीय जनता पार्टी इंदौर जिला अध्यक्ष श्री घनश्याम नारोलिया, साँवेर विधायक, जलसंसाधन मंत्री मध्यप्रदेश श्री तुलसीराम सिलावट व भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री मनोज ठाकुर की अनुशंसा पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष श्री विकास हारोड़ द्वारा केशरीपुरा, साँवेर निवासी श्री उज्ज्वल धनेरिया को नगर उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। इनकी इस नियुक्ति पर कुमावत समाज के वरिष्ठ व भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चौधरी, नगर परिषद अध्यक्ष श्री संदीप जी चंगेडिया, भाजपा किसान मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष श्री नेमीचंद कारवाल, श्री पवन भदानिया, श्री मनोहरलाल कारवाल, श्री रमेशचंद्रजी धनेरिया रम्मू दा, श्री सुनील धनेरिया आदि ने इन्हे बधाई दी है।

महेश की 'सनातन' पेंटिंग को राज्य स्तर का पुरस्कार

राजस्थान ललित कला अकादमी की 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी में श्री महेश कुमार कुमावत निवासी किशनगढ़ की **सनातन** पेंटिंग को निर्णायक मण्डल ने राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयन किया। प्रदर्शनी में राज्यभर से 169 कलाकारों की 505 पेंटिंग व मूर्ति शिल्प प्रदर्शित हुए थे। कुल 10 कलाकारों की पेंटिंग चयनित हुई थी। इन कलाकारों का 25-25 हजार रुपए के नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

चित्रकार महेश कुमावत पूर्व में राष्ट्रीय कालीदास अकादमी द्वारा आयोजित समारोह में सर्वश्रेष्ठ चित्रकारी के लिए सम्मान पा चुके हैं। इसके अलावा भी कला के क्षेत्र में इन्होंने अनेक पुरस्कार अर्जित किए हैं। श्री महेश का कहना है कि युवाओं को रूचि के साथ चित्रकारी के क्षेत्र में अपना बेहतर करियर बनाकर कला की चमक को बिखरने का कार्य करना चाहिए।

कमलेश कुमावत की चाकू से गोद कर हत्या

कोटा की छावनी के भोई मोहल्ले में एक नशेड़ी युवक वीरू भोई ने सरेराह चलने वाली कमलेश कुमावत के गले पर चाकू से तीन-चार बार वार करके हत्या कर दी। लहुलूहान महिला तड़पते हुए बचाने के लिए चिल्लाती रही। उस जगह वहां सैंकड़ों लोग आ-जा रहे थे। हत्या के बाद युवक बहुत देर तक वहां खड़ा होकर चाकू लहराता रहा और चला गया, किन्तु डर के कारण उसे कोई बचाने नहीं आया। बाद में पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर हत्या का केस दर्ज कर लिया।

35 वर्षीय कमलेश कुमावत घरों में साफ सफाई का काम करती थी, उसके पति ड्राइवर है तथा उनके तीन बच्चे हैं। इस प्रकरण में समाज को जागरूक रहकर पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि सरकार से दिलाने के लिए संघर्ष करें।

त्रुटि संशोधन : 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सितम्बर, 2023 के अंक में पेज नं. 29 पर भौंरी लाल धून्धारिया की श्रद्धांजलि की तीसरी पंक्ति में 'राहुल-मानसी' नाम छपा था। इसे कृपया 'राहुल' पढ़ा जावे।

-लाल चन्द धुंधारिया

तीर्थराज 'श्री मणिकर्ण' का महात्म्य

एक समय श्री शंकर भगवान माता पार्वती के साथ विहार करते हुए मणिकर्ण के इस सुरम्य स्थान पर आए। इस स्थान का अनुपम सौंदर्य और प्रकृति की मनोहारी सुंदरता को देख कर यहां ठहर गये और यहां भगवान शिव 11000 वर्ष तक तपस्या में लीन हो गए।

एक समय जल-क्रीडा करते हुए माता पार्वती जी के कान के आभूषण की मणि जल में गिर गई भगवान शिव के आदेश पर शिवगणों ने मणि को सब जगह ढूंढा , लेकिन मणि कहीं नहीं मिली इस पर भगवान शिव क्रोधित हो गए, देवता भयभीत हो गए, पूरा ब्रह्मांड कांप गया।

भगवान शिव ने अपना तीसरा नेत्र खोला, तीसरे नेत्र से नैना भगवती प्रकट हुई और देवताओं को बताया कि आभूषण की मणि शेषनाग के पास है देवताओं की प्रार्थना पर शेषनाग ने मणि लौटाने के लिए जोर से फुफकार छोड़ा, जिससे इस स्थान पर पृथ्वी से उबलते हुए गर्म पानी की विशाल धारा फूटी।

उस धारा से पार्वती जी के कान के आभूषण की मणि निकल आई और शिवजी का क्रोध शांत हुआ। इस कारण इस स्थान का नाम 'मणिकर्ण' पड़ा। शिवजी को यह स्थान इतना प्रिय रहा कि काशी में अपने घाट का नाम मणिकर्णिका घाट रखा।

कालान्तर में यहां अनेक ऋषि-मुनियों, योगियों व महात्माओं ने शिवजी की तपस्या करके सिद्धियां प्राप्त की।

16वीं शताब्दी में कुल्लू क्षेत्र के राजा जगतसिंह द्वारा ब्रह्महत्या दोष के प्रायश्चित करने के लिए अश्वमेध यज्ञ हेतु, अयोध्या से भगवान श्री रामजी के विग्रह को स्थापित करने के लिए इस पुण्य क्षेत्र में मंदिर बनवाया और अपना समस्त राजपाट भगवान श्रीराम जी के चरणों में अर्पित कर स्वयं को भगवान के दास के रूप में मानकर राज्य कार्य किया, यह प्रथा आज तक चली आ रही है।

भगवान श्री शंकर जी की महिमा प्रत्यक्ष रूप में मणिकर्ण में जगह-जगह पृथ्वी से निकलते हुए उबलते गर्म पानी के फव्वारे के रूप में देखने को मिलती हैं। यह पवित्र जल धारा आध्यात्मिक और भौतिक गुणों से युक्त है। माना जाता है कि इस गर्म जल में स्नान करने पर जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और शरीर के अनेक रोगों से भी मुक्ति मिलती है।

आज इस कलियुग में यह 'मणिकर्ण तीर्थ' सब सिद्धियां प्रदान करने वाला और सहज ही मोक्ष देने वाला है।

- मुरली मनोहर 'अकिंचन'

मणिकर्ण में 13-19 मार्च 2024 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। इसमें पावन सानिध्य एवं कथा रस प्रवाह श्रद्धेय श्री अकिंचन जी द्वारा होगा जो भक्त इसका आनन्द लेना चाहें वे कृपया बुकिंग हेतु श्री गौरीशंकर मित्तल व श्री सुरेश बंसल से मो. नं. 9314651703, 9414956668 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

- कृष्ण स्वरूप बूब, हरिनाम संकीर्तन परिवार, मो. 9828015993

सीनियर सिटीजन और सुखी परिवार

एक बार एक वृदध (सीनियर सिटीजन) अपने परिवार की उपेक्षा से परेशान हो एक संत के पास पहुंचे जिनका दूर-दूर तक अच्छा नाम था। वृद्ध ने संत से अपनी व्यथा कही तथा पूछा कि शेष जीवन कैसे सुखमय जीया जाये ? संत ने आंखे बंदकर कुछ देर सोचा तथा कुछ सूत्र बताते हुए कहा कि इसका पालन करोगे तो परिवार के सभी लाग आपका सम्मान करेंगे तथा शेष जीवन अच्छा बीतेगा—

1. वृद्धावस्था में खाली नहीं बैठे, कुछ न कुछ काम करते रहें। इससे स्वयं व्यस्त रहेंगे तो स्वस्थ भी रहेंगे तथा परिवार की छोटी-मोटी बातों की ओर ध्यान नहीं जायेगा।

2. कम बोले, क्योंकि अधिक बोलने से घर का माहौल बिगड़ने की सम्भावना रहती है तथा स्वयं की शक्ति भी क्षीण होती है।

3. सलाह तब ही दें जब आपसे कोई मांगे। क्योंकि जब बेटे-बहु बड़े होकर योग्य हो जाते हैं तो वे अपने अनुसार घर चलाना चाहते हैं। इसलिए आवश्यक नहीं की आपकी सलाह उन्हें ठीक लगे।

4. वृद्धावस्था में शरीर शिथिल हो जाता है तो सहनशक्ति को बढ़ायें। हो सकता है कि परिवार द्वारा लिए गये निर्णय आपको सही नहीं लगे पर सहनशील रह कर आप परिवार के साथ जुड़कर रह पायेंगे।

5. पोते-पोतियों के साथ मेलजोल बढ़ायें तथा खेल कर उनका मनोरंजन करें, इससे घर के बच्चों का आपसे लगाव बढ़ेगा।

6. घर के सदस्यों की आलोचना अपने रिश्तेदारों या बाहरी लोगों से नहीं करें। क्योंकि ये बातें लौटकर परिवारजनों के पास आयेगी तो आपको असहज कर देगी तथा परिवारजनों की नजरों में आपकी इज्जत घट सकती है।

उस वृद्ध व्यक्ति ने संत के बताए सूत्रों का पालन किया तो परिवारजनों का प्रिय बन गया तथा उसे परिवार से सम्मान मिलने लगा। इससे वह प्रसन्न रहने लगा व शेष जीवन अच्छा गुजरा।

'कुमावत समाज भवन' मालवीय नगर, जयपुर के लिए दो शब्द...

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर हमारे समाज की जानी मानी समिति है। हाल ही में समिति की नवीन कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। नवगठित कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। वर्तमान कार्यकारिणी की एक प्रमुख विशेषता यह है कि पहली बार अध्यक्ष पद पर महिला सदस्य को निर्वाचन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह नारी शक्ति को समकक्ष रखकर समाज के सम्पूर्ण वर्ग के उत्तरोत्तर विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। निश्चित रूप से हमारे समाज की महिलाओं को इससे आगे बढ़ने, सामाजिक क्रियाकलापों में अपनी सहभागिता व सहयोग बढ़ाने व सामाजिक संगठनों में प्रतिनिधित्व करने जैसी भावनाओं को बल व शक्ति मिलेगी। हालांकि जब पद मिलते हैं तो साथ में दायित्व भी मिलते हैं मगर मैं विश्वास से कह सकती हूँ कि जिस प्रकार समिति की भूतपूर्व कार्यकारिणियां अपने दायित्वों को बखूबी निभाती आई है तथा समाज में एक मिसाल के तौर पर अपना स्थान बनाया है उसी प्रकार वर्तमान कार्यकारिणी भी अपनी ओर से सर्वोत्तम कार्यशीलता का उपहार समाज को देगी। आज जब विषय मालवीय नगर समिति का उठा है तो हम इस समिति के निर्माण, विकास तथा उपलब्धियों के विषय में बात करते हैं। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीय नगर जयपुर का गठन 15 अगस्त, 1996 को हुआ। इस समिति का कार्य क्षेत्र छोटा होने के कारण इसकी सदस्य संख्या भी बहुत कम रही। फिर भी समिति द्वारा समय-समय पर प्रतिभा सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताए, सामूहिक गोठ, मेडिकल कैम्प आदि विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। सामाजिक समारोहों के दौरान जो व्यवस्था, सौहार्द्रपूर्णता तथा शालीनता मैंने मालवीय नगर समिति के तत्वावधान में हुए कार्यक्रमों तब से अब तक देखी वह कहीं और नहीं दिखी।

मालवीय नगर समिति ने अपने कार्यक्षेत्र में निवास करने वाले कुमावत समाज के परिवारों की सूचनाएं संकलित कर एक पुस्तिका 'स्नेह सेतु' प्रकाशित की गई जिसमें समिति क्षेत्र के प्रत्येक परिवार का संक्षिप्त परिचय व जनगणना उपलब्ध है। इसके समय-समय पर नये अन्य संस्करण भी प्रकाशित किए गए। इस समिति ने एक अभूतपूर्व कार्य यह किया कि अपने अथक परिश्रम व प्रयत्नों से समिति के कार्यक्षेत्र में समिति के कार्यालय एवं जनोपयोगी भवन हेतु राज्य सरकार के माध्यम से जयपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा सत्र 2009 में 783 वर्गमीटर भूमि रियायती दर पर आवंटित करवाई। यह तत्कालीन समिति के पदाधिकारियों की दूरदर्शिता व अथक प्रयासों का परिणाम था। जिस समय समिति के पास कोई पूंजी नहीं थी ऐसे समय में जनसहयोग से राशि की व्यवस्था कर राशि जयपुर विकास प्राधिकरण को जमा करवाई। लेकिन यहां समिति अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हुई बल्कि इससे भी बड़ी जिम्मेदारी समिति के कन्धों पर आ पड़ी, वह यह कि अब भूमि पर भवन का निर्माण किया जाना था और वो भी उस समाज के भवन का जिसकी पहचान ही भवन निर्माण कार्यों से है। समिति ने और प्रयास किए और धीरे-धीरे समाज बन्धुओं के छोटे-बड़े सहयोग से समिति ने बेसमेंट एवं भू-तल का कार्य सम्पन्न करवाया। इसके बाद भवन के आगे के निर्माणकार्य को सम्पन्न करवाने हेतु समिति ने अपनी एक उपसमिति 'कुमावत समाज भवन संचालन समिति' मालवीय नगर जयपुर का गठन किया और भवन के शेष रहे निर्माण का कार्य उसे सौंपा जिन्होंने प्रथम मंजिल एवं फिनिशिंग का कार्य पूर्ण कराया। सभी समाज बन्धुओं, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, भामाशाहों तथा समाज सेवकों के सहयोग का ही परिणाम है कि आज जयपुर शहर के हृदय मालवीय नगर में समाज का **कुमावत समाज भवन** हमारे समाज की शोभा बढ़ा रहा है।

मैं इस लेख के माध्यम से उन नींव की ईंट रहे समाजजनों व भामाशाहों को सादर नमन करती हूँ। पर दु:ख है कि उनमें से कुछ इस 'भवन' को पूर्ण होने से पहले ही इस जग से विदा हो गये। मैं निवेदन करूंगी कि दोनों समितियां आपसी सामन्जस्य रहते हुए कुमावत समाज के उत्थान के लिए कार्यकर अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करती रहेंगी।

- उर्वशी बालोदिया

नारी एक रूप अनेक

मैं एक नारी हूँ, मैं सब संभाल लेती हूं,
हर मुश्किल से खुद को उबार लेती हूँ।
नहीं मिलता वक्त घर गृहस्थी में
फिर भी अपने लिए वक्त निकाल लेती हूँ।
टूटी होती हूँ अन्दर से कई बार मैं
पर सबकी खुशी के लिए मुस्कुरा लेती हूँ।
गलत ना होकर भी ठहराई जाती हूँ गलत
घर की शान्ति के लिए मैं चुप्पी साध लेती हूँ।
सच्चाई के लिए लड़ती हूँ सदा मैं
अपनों को जिताने के लिए हार मान लेती हूँ।
व्यस्त है सब प्यार का इजहार नहीं करते
पर मैं फिर भी सबके दिल की बात जान लेती हूँ।
कहीं नजर ना लग जाए मेरी अपनी ही
इसलिए पति बच्चों की नजर उतार लेती हूँ।
उठती नहीं जिम्मेदारियाँ मुझसे कभी-कभी
पर फिर भी बिन उफ किये बिना सब संभाल लेती हूँ।
नहीं सहा जाता जब दर्द और खुशियाँ
तब अपनी भावनाओं को कागज पर उतार लेती हूँ।
खुश हूँ मैं कि मैं किसी को कुछ दे सकती हूँ
जीवनसाथी के संग संग चल सपने संवार लेती हूँ।

- सीमा राज कुमावत
(मारवाल)

प्राचीन मूल्यों का महत्व और हमारा समाज

किसी भी वृक्ष की जड़े यदि गहरी हो तो वो जल्दी विकसित होती है और अधिक घना व छायादार बनता है। वहीं दूसरी तरफ जो पौधे ऊपरी या सतही मिट्टी पर बने होते हैं वो आँधी के एक झौंके से गिरकर निस्तेनाबूद हो जाते हैं, कहने का तात्पर्य है कि एक विकसित और अग्रणी समाज के निर्माण के लिए हमें उसकी जड़ों को मजबूत करना होगा। हमें पुरातन से वो गुण ग्रहण करने होंगे जो हमारे विकास और समृद्धि में सहायक बन सके। प्राचीनता का तात्पर्य किसी धार्मिक कर्मकांड से न होकर हिन्दू, सिक्ख, जैन, बौद्ध धर्मों के शास्त्रों में संग्रहित उन अमूल्य विचारों से हैं जो आज भी उतने ही समसामायिक हैं और हमारे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक हैं। हमारे वेदों, पुराणों में संग्रहित नैतिकता के श्लोक या महावीर स्वामी और महात्मा बुद्ध द्वारा दी गई शिक्षा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। एक मूल्य आधारित समाज ही अग्रणी और विकसित समाज बन सकता है। हम आज कर्मकांड की ओर अधिक उन्मुख हो गए हैं और अपने शास्त्रों में छिपी मूल्यवान बातों को भूल गए हैं। अब जब हम सभी ने बीड़ा उठा ही लिया है कुमावत समाज को देश का अग्रणी समाज बनाने का, तो अपनी जड़े तो खंगालनी ही होगी। उन मूल्यों को जिन्हें हमारे पूर्वजों ने एक धर्म की तरह माना और अपनाया था, हमें फिर से उन पर अपने समाज के विकास की नींव रखनी होगी। आइए चर्चा करते हैं कुछ ऐसे ही मूल्यों की जिनकी आज कुमावत समाज को महति आवश्यकता है।

स्वावलंबन: हमारे पूर्वज अपना कार्य स्वयं करने में विश्वास रखते थे। हमारे आसपास दृष्टि डाले तो कुछ अल्पसंख्यक समाज इतने विकसित हैं कि वो कभी बेरोजगारी का रोना नहीं रोते। वो नौकरी करने की बजाए नौकरी देने में विश्वास रखते हैं। वो इतने खुद्दार होते हैं कि कुछ भी मुफ़्त में लेने में विश्वास नहीं करते। अपनी मेहनत के दम पर व्यापार करते हैं,उसका विस्तार करते हैं। अपने ही समाज के भाई-बहनों को नौकरी दे समाज की सेवा भी करते हैं। ऐसे समाज पैरासाइट (परजीवी) नहीं होते हैं। वो अपने कर्मों पर विश्वास करते हैं। हम भी चाहे तो अपने लघु व कुटीर उद्योगों को एक नया नज़रिया व दृष्टिकोण दे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकते हैं। हमारे समाज के कुछ व्यवसायियों ने अपने हस्तकला व हैंडीक्राफ्ट उद्योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा समाज का नाम रोशन किया भी है परंतु इनकी संख्या अभी काफी कम है।

उत्तराधिकारी योजना: पहले के समय में गुरु अपने पुत्र को धीरे-धीरे गुरू कर्म सीखा देते थे। इसी प्रकार राजा अपने पुत्र को राज कर्म और वणिक अपनी संतान को व्यापार की शिक्षा दे देते थे। सोचिए जब घर में बचपन से ही रोज़गार की शिक्षा मिलने लगे तो वो युवावस्था तक आते आते तो अपने कार्य में पारंगत हो जाएगा। परंतु आज का युवा अपने पैतृक व्यवसाय को हेय दृष्टि से देखने लगा है। बजाए इसके कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने पैतृक व्यवसाय को नए आयाम दें। हमारा युवा इसे छोड़ नौकरी की तलाश में दर-ब-दर भटक रहा है। यदि बचपन से बच्चे को अपने व्यवसाय के लिए तैयार किया जाये साथ ही आधुनिकता का समावेश व्यवसाय में हो जाये तो हमारा कुमावत समाज भी आर्थिक रूप से काफी विकसित हो सकता है।

कैवल्य ज्ञान: ज्ञान और सिर्फ ज्ञान या नॉलेज ही वह मार्ग है जो मनुष्य व समाज को ऊंचाईयों तक पहुँचा सकता है। हमारे देश में कुछ विकसित व समृद्ध समाज ऐसे हैं जिनकी साक्षरता दर 94 प्रतिशत तक है जबकि भारत की औसत साक्षरता दर 65 प्रतिशत ही है। कहने का अर्थ है कि एक सभ्य व विकसित समाज में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान होता है। विशेषकर महिलाओं की साक्षरता दर अधिक होना एक अग्रणी समाज की पहचान होती है। **ज्ञान हमें सोचने समझने का नया दृष्टिकोण देता है। वो हम में तार्किक क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है।** ये सारी क्षमताएं हमें विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने को प्रेरित करती है। कहा भी गया है

विद्या ददाति विनयं विनयम ददाति पात्रताम् ।
पात्रताम् धनमाप्नोति धनात् धर्म ततः सुखम् ॥

अर्थात विद्या विनय देती है विनय से योग्यता, योग्यता से धन, धन से धर्म, और धर्म से सुख प्राप्त होता है।

अहिंसा परमो धर्मः अहिंसा का तात्पर्य प्राणी मात्र की रक्षा करना तो है ही साथ ही मनसा, वाचा, कर्मणा की अहिंसा से भी है। हमें अपने मन, वचन और कर्म से किसी को भी चोट नहीं पहुंचानी चाहिए। जब प्रत्येक व्यक्ति खुद के प्रति ईमानदार होगा तो वो प्रसन्नचित्त रहेगा। प्रसन्नता ही धैर्य व संयम प्रदान करती है और खुश व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। अत: हमें अपनी आंतरिक खुशी के लिए किसी का भी बुरा करने से बचना चाहिए।

अनर्थ दंड त्यागव्रत : हमारे शास्त्रों में प्रयोजन रहित कार्यों को त्याग देने का विधान है। अर्थात् हमें उन कामों को नहीं करना चाहिए जो प्रोडेक्टिव या रचनात्मक नहीं हो। दरअसल हमें पता ही नहीं चलता कि हम अपना कितना समय व्यर्थ के कार्यों में गंवा देते हैं। ये वह समय होता है जिसका उपयोग कर हम अपनी शिक्षा, अपने व्यवसाय, अपने व्यक्तित्व को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते थे। इन व्यर्थ के कामों से मिलने वाले क्षणिक सुख ने हमें कई सदियों पीछे धकेल दिया है। आज आप कुमावत समाज तो क्या किसी भी समाज के युवा को देख लीजिए वो मोबाइल में या

सोशल मीडिया में व्यर्थ की बेतुकी रील देख कर अपना अमूल्य समय गँवा रहा है । कुछ समाज आज भी ऐसे हैं जिनकी प्राथमिकता फालतू की पार्टियाँ न होकर प्रार्थना, आध्यात्मिकता और अनुशासन है। हमारे घर के सामने रहने वाले जैन परिवार के छोटे से छोटे बालक भी सुबह 5 बजे मन्दिर के लिए निकल जाते हैं। ये अनुशासन ही आज जैन समाज को जो जनसँख्या में भारत में 0.3 प्रतिशत ही हैं लेकिन देश के कुल इंकम टैक्स का 24 प्रतिशत देने में सक्षम बनाता है। समाज विशेष की बात छोड़ भी दें तो प्रयोजन रहित कार्यों को करने से कभी किसी का फायदा नहीं हुआ है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को व्यर्थ के कार्यों को त्यागने की शिक्षा भी देनी होगी।

व्यर्थ बैठ कर तुमको यूंही, समय नहीं गवाना है,
अपने लक्ष्य को पहचान कर, आगे बढ़ते ही जाना है।

- डॉ. प्रिया मारवाल, एसिस्टेन्ट प्रोफेसर

एक सम्मान माँ के नाम: एक सम्मान आपके सर्पोट सिस्टम और आपके हौसलों के नाम

आज समाज में सबसे अहम् बात होती है महिला जागृति की, महिला आत्मनिर्भरता की, महिला चेतना की, समाज चाहता है कि महिलायें प्रत्येक कार्य में, हर क्षेत्र में आगे हो। इसके लिए आवश्यकता है समाज व परिवार के साथ की।

महिलाएं आज किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं है क्योंकि भगवान ने सबको समान बनाया है पुरुष हो या स्त्री समान रूप से मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से समान विकास किया है। लेकिन परिवार में महिलाओं को दुगुनी जिम्मेदारियों को निभाना पड़ता है। पहली जिम्मेदारी परिवार की और दूसरी जिम्मेदारी अपने कैरियर की। यहीं से महिलाओं का संघर्ष शुरू हो जाता है। संघर्ष की घड़ी में जब परिवार उसका साथ देता है, उसके हौसलों को उड़ान देता है, जब परिवार कृष्ण की तरह सारथी बन जाता हैं तो उस संघर्ष के बाद जो सफलता मिलती हैं वो बहुत मीठी सफलता होती है और उस परिवार में उसका सबसे बड़ा सपोर्ट होता है उसकी माँ और शादी के बाद सासू माँ का। क्योंकि एक नारी ही दूसरी नारी की व्यथा समझ सकती है इसलिए जो सबसे बड़ा सपोर्ट मिलता है वो माँ होती है और शादी के बाद सासू माँ।

हमारे जीवन में मां का स्थान अतुलनीय व सर्वोपरि है। मां ही बच्चे की प्रथम गुरु होती है। जीवन में हर प्रकार की बाधाओं को पार करने की प्रेरणा देती है। पूरी दुनिया में माँ एकमात्र प्राणी है जो आजीवन अपने पति, बच्चों समेत संपूर्ण ससुराल पक्ष, अतिथियों, संतान की संतति आदि सभी का ख्याल रखती है। घर के दैनिक कार्यों से लेकर बाहर तक के अनेक कामों में वह सशक्त भूमिका का निर्वाह करती है। वह एक बेटी के रूप में जितना कार्य अपने पिता के घर में करती है, उससे कई गुना अधिक पति के घर में करती है। लेकिन प्राय: प्रशंसा व सम्मान के दो शब्द सुनने के लिए तरस जाती है। हां, यह जरूर उसे सुनने को मिल जाता है कि 'यह सारे काम तो सभी महिलाएं करती हैं।'

मेरा कहना है कि हां, सभी महिलाएं करती हैं, नई बात तो कुछ नहीं। लेकिन जो घर में गर्म रोटी का सुख आपको दे, जो अस्वस्थ होने पर आपकी सेवा करे, जो आपके अतिथियों के लिए अन्नपूर्णा बन जाए, जो आप पर जरा-सी भी आंच आ जाने पर दुर्गा बन जाए, जो समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाए और जो हर संकट में आपके साथ अडिग खड़ी हो, क्या वह सम्मान व आभार के दो शब्दों की भी अधिकारिणी नहीं है?

सच में, बड़ा दु:ख होता है जब अशिक्षित के साथ शिक्षित भी हर मां से 'लेना' ही अपना अधिकार समझते हैं और देने के लिए सम्मान व आभार-वचन से भी निर्धन हो जाते हैं।

महिलाओं को मजबूत करने के लिए अनेक संस्थाएं कार्य कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय से लेकर राष्ट्रीय संगठन इस दिशा में प्रयासरत हैं। सरकार द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं का आगे लाने की कोशिश की है। इसी प्रयास का नतीजा है कि समान वेतन का अधिकार, कन्या भ्रूण हत्या रोकने का कानून, कार्यस्थल पर उत्पीडन् के खिलाफ कानून, संपत्ति का अधिकार मिल चुका है। वहीं सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं ने भी इस विषय को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। कुमावत इंडिया पत्रिका में जयसिंह गुडीवाल द्वारा लिखित 'सामाजिक संस्थाओं संगठनों में महिलाओं की भागीदारी' ने मुझे काफी प्रभावित किया है। इसी तरह के सामाजिक मुद्दों को लेकर आगे भी प्रकाशन करते रहे। सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी इसके लिए पहल की गई सर्वप्रथम कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर द्वारा प्रथम महिला अध्यक्ष भारती तोंदवाल सहित चार महिलाओं को कार्यकारिणी में स्थान दिया गया। इसी प्रकार कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर द्वारा भी चार महिलाओं को कार्यकारिणी में स्थान देकर महिला सशक्तिकरण के लिए कदम बढ़ाया है।

मेरी समाज बन्धुओं से प्रार्थना है कि माँ के लिए समाज में एक सम्मान समारोह रखा जाये। जिससे मां और सासु माँ प्रोत्साहित होगी और वो अपनी बेटियों और बहुओं को आगे बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेगी। यहीं से महिला जागृति की एक अच्छी पहल होगी। माँ जो ऊर्जा का स्त्रोत होती है इस माँ की भी कोई पीठ थपथपाने वाला होना चाहिए और ये नेक कार्य हमारा समाज कर सकता है।

-प्रियंका वर्मा, सोडाला जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव

भारतीय जनता पार्टी से 3 कुमावत प्रत्याशी घोषित:
गजानंद कुमावत - दातारामगढ
निर्मल कुमावत - फुलेरा
जोराराम कुमावत - सुमेरपुर

कांग्रेस से -1
कुमावत प्रत्याशी घोषित:
डूंगर राम गेदर - सूरतगढ़

अभी कांग्रेस की सूची की प्रतिक्षा है। उम्मीद है कि कुमावत समाज से भी कुछ इसमें प्रत्याशी घोषित होंगे।

कृपया इन्हे विजयी बनाने का हर सम्भव प्रयास करे।

लक्ष्मी जी के मंदिर कहां-कहां

वैसे तो अनेक स्थानों पर माँ लक्ष्मी के मंदिर बनाए गये हैं किन्तु प्रमुख लक्ष्मी मंदिर निम्न स्थानों पर स्थित हैं:-

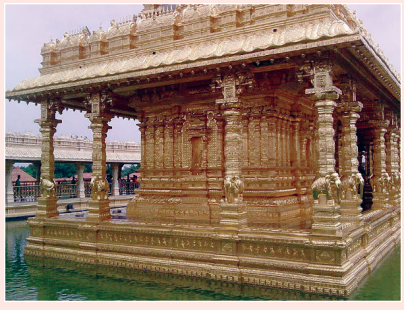

वेल्लोर का महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर : तिरूमलैकोडी, वेल्लोर, तमिलनाडू की स्थापना स्वामी श्री शक्ति अम्मा द्वारा की गई, इसका निर्माण वर्ष 2000 में प्रारम्भ हुआ जो वर्ष 2007 में पूर्ण हुआ। बाद में इसका विस्तार हुआ तथा स्वर्ण मंदिर में बदल गया। इसमें 1500 किग्रा शुद्ध स्पर्ण का काम हुआ है, जरा सी रोशनी पड़ते ही यह दमक उठता है। इसकी छटा बहुत ही निराली है, देश-विदेश से श्रद्धालु यहां माँ लक्ष्मी नारायण के दर्शनार्थ आते हैं। इसे श्रीपुरम भी कहा जाता है। मंदिर परिसर 100 एकड़ में है तथा चारों ओर हरितमा ने इसकी सुन्दरता में चार चांद लगा दिये है। मंदिर की सुरक्षा के विशेष इंतजाम है। मंदिर प्रवेश के लिए भक्तों को 1.8 किमी चलना होता है।

पद्मावती मंदिर तिरूचानूर : त्रिचूर, आन्ध्रप्रदेश में माँ पद्मावती का हजारों वर्ष पुराना मंदिर है। यहां पद्मावती को भगवान हरि के वेंकटेश्वर रूप की पत्नी माना जाता है। इसलिए तिरूपति बालाजी के दर्शन से पहले माँ पद्मावती के दर्शन करने की मान्यता है। कहा जाता है कि माँ पद्मावती (लक्ष्मी) की शरण में जाने से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। मंदिर में हजारों श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं।

अष्ट लक्ष्मी मंदिर, चेन्नई : इलियट समुद्रतट के पास चेन्नई में दक्षिण भारतीय शैली में चार मंजिला अष्ट लक्ष्मी मंदिर स्थित है, मंदिर में लक्ष्मी के 8 स्वरूपों के लिए 8 कमरे बनाए गये हैं। मान्यता है कि यहाँ पर माँ लक्ष्मी अपने पति विष्णु भगवान के साथ साक्षात विराजमान रहती है।

लक्ष्मी मंदिर, हासन : कर्नाटक के हासन में होयसल शैली में वर्ष 1113 में डोड्डागड्डावल्ली ग्राम में अद्वितीय संरचना वाला दिव्य लक्ष्मी मंदिर स्थित है। मुख्य हॉल 18 खम्भों पर टिका है, मुख्य मंदिर में 4 मंदिर है, पूर्व में लक्ष्मी जी की 3 फुट ऊँची प्रतिमा विराजमान है। कहा जाता है कि यहां माँ लक्ष्मी के दर्शन मात्र से आर्थिक तंगी दूर हो जाती है। यहाँ हर दिन भक्तों की भीड़ रहती है पर धनतेरस तथा दिवाली के दिन अत्यधिक भीड़ होती है।

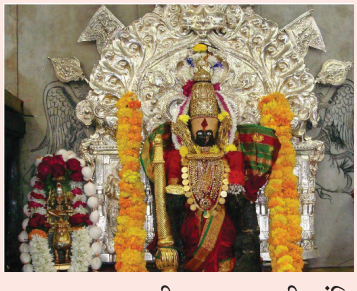

महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर : 7वीं सदी में राजा कर्णदेव, चालुक्य शासक द्वारा कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में माँ लक्ष्मी मंदिर का निर्माण कराया था। माना जाता है कि इसमें विराजित महालक्ष्मी जी की मूर्ति 7000 वर्ष पुरानी है। वास्तु का चमत्कार है कि सूर्य की पहली किरण माँ महालक्ष्मी के चरण स्पर्श करती है। जनवरी-फरवरी माह में सूरज की किरण देवी माँ के पैरों, फिर मध्य भाग से होती हुई मुखमण्डल को रोशन कर अद्भुत दृश्य बनाती है। यह मंदिर विश्व के चमत्कारों के लिए जाना जाता है।

महालक्ष्मी मंदिर, मुम्बई : वर्ष 1831 में धाकजी दादाजी, व्यापारी द्वारा मुम्बई के समुद्रतट के पास इस प्राचीन महालक्ष्मी मंदिर का निर्माण कराया था। यहाँ माँ महालक्ष्मी के साथ माँ महाकाली तथा माँ सरस्वती की मूर्तियां भी विराजमान हैं। सितम्बर-अक्टूबर माह में कुछ मिनट के लिए सूर्य की किरणों तीनों देवियों पर पड़ती है। भक्तों का विश्वास है कि यहाँ माथा टेकने से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं।

इस मंदिर के प्रसंग में कहा जाता है कि वर्ली और मालाबार हिल को जोड़ने के लिए पुल बनाने का काम चल रहा था, किन्तु इसके लिए दीवार नहीं बन पा रही थी। तब एक व्यक्ति ने बताया कि उसने स्वप्न में देखा कि माँ लक्ष्मी बोल रही है कि वर्ली समुद्र किनारे उनकी मूर्ति दबी हुई है, उसे निकालकर स्थापित करो। जब वहां खुदाई कि तो वहां 3 मूर्तियां मिली, फिर उन्हें मंदिर बना कर स्थापित कराया गया तो दीवार का काम भी हो गया। महालक्ष्मी शेर पर सवार है तथा राक्षस का वध कर रही है। यहां पर रोजाना सैंकड़ों श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं।

महालक्ष्मी मंदिर, इन्दौर : वर्ष 1833 में मल्हार राव होल्कर द्वितीय ने राजवाड़ा, इन्दौर, मध्य प्रदेश में महालक्ष्मी मंदिर का निर्माण कराया था। यहाँ माँ महालक्ष्मी की प्रतिमा शृंगार के बाद बहुत ही आकर्षित लगती है। होल्कर राजपरिवार नवरात्रा तथा दीवाली पर माँ

महालक्ष्मी के दर्शन के लिए निरन्तर आता रहा है। होल्कर खजाने को खोलने से पहले महालक्ष्मी के दर्शन के लिए जाया जाता था तथा कभी भी धन की कमी नहीं रही। वहां के राजकर्मचारी दफ्तर में दाखिल होने से पहले यहां पर दर्शन करने आते थे। पास ही सुभाष चौक पर दुर्गा मंदिर तथा पंद्रिनाथ पर हरसिद्ध मंदिर है, दर्शक यहां भी दर्शन करते हैं। दीपावली पर मंदिर से भक्त पीले चावल लेकर जाते हैं, जिससे दुकान व घर में सुख समृद्धि आये। बताया जाता है कि यह मंदिर 1928 में ध्वस्त हो गया, वर्ष 1972 में यहां आग लग गई तथा वर्ष 2011 में छत का प्लास्टर गिर गया, किन्तु माँ महालक्ष्मी की मूर्ति पूर्णत: सुरक्षित रही जो चमत्कार ही है। दीपावली पर 5 दिवसीय महोत्सव होता है व भक्तों की लम्बी कतारें लगती हैं।

लक्ष्मीनारायण मंदिर, दिल्ली : 1622 ई. में वीरमदेव सिंह ने दिल्ली में लक्ष्मी नारायण मंदिर का निर्माण कराया, वर्ष 1938 में जे.डी. बिड़ला ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया, इसलिए इसे बिड़ला मंदिर भी कहते हैं। इसका उद्घाटन महात्मा गांधी ने किया था। दीपावली पर इस मंदिर की सजावट देखने योग्य होती है। यहां पर माँ लक्ष्मी, भगवान विष्णु के साथ विराजमान है। यहां पर भगवान शिवजी, गणेश जी, हनुमान जी व बुद्ध की छोटी मूर्तियां भी स्थित हैं। यह 7.5 एकड़ में है।

महालक्ष्मी मंदिर, रतलाम : रतलाम (म.प्र.) के माणक चौक में महालक्ष्मी का प्राचीन मंदिर स्थित है। दीपोत्सव पर मंदिर को फूलों, भक्तों द्वारा उपलब्ध कराये गये आभूषणों व नकदी से सजाया जाता है तथा इन्हें दीपोत्सव के बाद लौटा दिया जाता है। दीपोत्सव के 5 दिन धनतेरस से मंदिर के पट 24 घण्टे दर्शनाथ खुले रहते हैं तथा हजारों भक्तगण दर्शन करते हैं। यहां से किसी भी भक्त को खाली हाथ नहीं लौटाया जाता है।

बस्तर-दंतेश्वरी देवी का लक्ष्मी रूप में पूजन : दक्षिणी बस्तर, छत्तीसगढ़ में देवी दंतेश्वरी का मंदिर स्थित है। आदिवासियों में दीपावली पर माँ दंतेश्वरी को लक्ष्मी रूप में पूजा जाता है। इस समय औषधीय काढे से देवी को स्नान कराया जाता है। भगवान विष्णु कार्तिक माह में मत्स्य अवतार के रूप में रहते हैं, कार्तिक मास में ही उन्होंने तुलसी के पति जलन्धर का वध करके उसका पतिव्रत धर्म भंग किया था। इसके बाद उन्होंने तुलसी को विष्णु पत्नी रूप में पूजने का वरदान दिया था। यहां देवी नारायणी स्वरूप में विराजमान है तथा सामने गरुड़ स्तम्भ हैं। कार्तिक चतुर्दशी तक लगातार 7 दिन दंतेश्वरी सरोवर से पानी लाकर उससे स्नान कराकर तुलसी पूजन की परम्परा है।

- संकलनकर्ता रमेश गैदर

ज्योति शिक्षण संस्थान परिवार को ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

हमारी प्रिय

डॉ. शिल्पी कुमावत

W/o श्री मनीष कुमावत

प्राचार्या, ज्योति सीनियर सेकण्डरी स्कूल (Hindi Medium)

के शिक्षा में विषय –"**स्मार्ट कक्षा-कक्ष अध्ययन :- वस्तु स्थिति, उपयोगिता और चुनौतियाँ**"

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

से व्याख्याता डॉ. हेमन्त त्रिवेदी के निर्देशन में **पी.एच.डी.**

की उपाधि प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

विज्ञापन

शुभेच्छु – आई. एल. कुमावत – कैलाशदेवी (बड़े ससुरजी–सासुजी), जी. एल. कुमावत–मधु कुमावत (ससुरजी–सासुजी), जितेन्द्र कुमावत–द्रोपदी कुमावत (पिता–माता), पवन–सुधा, गजेन्द्र–माया अरूण–अनिता, डॉ. रजनीश कुमावत–डॉ. आरती कुमावत (जेठ–जेठानी), पंकज जी–सपना (ननदोई–ननद), लव्य, लिशा (पुत्र, पुत्री), ईक्षा, प्रिशा (भतीजीयां)

ज्योति शिक्षण संस्थान, फतहपुरा, उदयपुर
उज्ज्वल पब्लिक स्कूल, चित्तौड़गढ़

मो. **9413832882**
9461388795

मालवीय नगर, जयपुर में समाज का ''महिला शक्ति संगम''

8 अक्टूबर, 2023 को कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर में कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के तत्वावधान में **महिला शक्ति संगम** का आयोजन हुआ। इस अवसर पर समाज की लगभग दो सौ महिलाएं पधारी और इस संगम में **''समाज में महिला सशक्तिकरण व जागृति''** विषय पर व्याख्यान हुए तथा मंथन किया गया।

समारोह में श्रीमती स्नेहलता, श्रीमती कृष्णा बडीवाल, कुमारी शिवानी मण्डावरा मुख्य अतिथि व अतिथि रहे। संगम में फाइन आर्ट प्रोफेसर श्रीमती ममता रोकणा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नमिता भारती, ले. कमाण्डर सी.आर.पी.एफ कुमारी हर्षिता बासनीवाल, प्रोफेसर डॉ. अनिता कुमावत (सीकर), राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उप-प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन कुमावत, दूरदर्शन कलाकार प्रेम बालोदिया, श्रीमती रश्मि बालोदिया (डायमण्ड ऑर्केस्ट्रा), योग विशेषज्ञ कुमारी महक कुमावत, नेशनल लेवल वेट लिफ्टर श्रीमती आशा कुमावत, आर.एस.एस. प्रांत सेवा प्रमुख एवं एड्वोकेट श्रीमती विजयलक्ष्मी नागा, योगा में रिसर्च स्कॉलर कुमारी जूही कुमावत, ब्यूटीशियन श्रीमती रेखा कुमावत तथा समाज सेविका श्रीमती राजबाला बिरथला आदि समाज की प्रतिभाशाली वक्ताओं ने अपने विचार रखे, वहीं समाज की वयोवृद्ध सेविका श्रीमती उमा माचीवाल ने इस संगम की सराहना करते हुए सबको आशीर्वाद दिया। मालवीय नगर क्षेत्र की विधायक प्रत्याशी (कांग्रेस) डॉ. अर्चना शर्मा ने भी महिला शक्ति को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन राजकीय कॉलेज, सांभर लेक में पदस्थापित असिस्टेंट प्रोफेसर (सी.ए.) डॉ. शशि कुमावत एवं स्टेनी मोमोरियल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रिया मारवाल ने किया तथा श्रीमती माया घोडीवाल एवं श्रीमती सीमा मारवाल ने इनका सहयोग किया। समिति अध्यक्ष श्रीमती भारती वर्मा ने समारोह में पधारे सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ। महिला शक्ति संगम सभी के सहयोग से सफल रहा। पधारे हुए समाजजनों ने इस आयोजन की सराहना की।

– **आशुतोष कुमावत,** उप-मंत्री

8 अक्टूबर को जोबनेर में राजनैतिक चेतना एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में फुलेरा विधायक निर्मल कुमावत।

हेमराज कुमावत पुत्र सुख लाल कुमावत निवासी सदरपुरा मालपुरा टोंक का वरिष्ठ अध्यापक पद पर साइंस विषय से ऑल राजस्थान में 99वीं रैंक के साथ अंतिम रूपसे चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मोहिनी कुमावत पुत्री श्री रामनारायण जी कुमावत कुद्धीवालों की ढाणी लोहरवाड़ा बगरू का व्याख्याता इतिहास बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं

उषा कुमावत पत्नी शरवन कुमावत, नवलगढ़ को प्रथम श्रेणी व्याख्याता चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जयश्री कुमावत पुत्री शंकर कुमावत ऑल इण्डिया रैंक 186 प्राप्त कर CISF में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

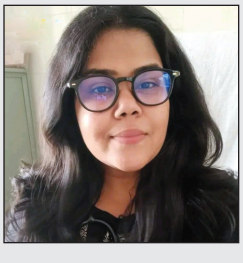

डॉ. प्रिया कुमावत को MS नेत्र रोग GMC कोटा में सेलेक्ट होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्री राम प्रकाश मारवाल

को कुमावत प्रगति ट्रस्ट का

उपाध्यक्ष

चुने जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

सुनीता कुमावत (धर्मपत्नी), आशीष-प्रियंका (पुत्र-पुत्र वधू), मेघना-दिलीप जी, अरुणा-चंद्र प्रकाश जी (बेटी-दामाद), दिविता, पूर्वी, लावण्या, दर्श, कुशाग्र एवं समस्त मारवाल परिवार।

श्री राम प्रकाश मारोठिया

श्री राम प्रकाश मारवाल

श्री रमेश गैदर

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के

श्री राम प्रकाश मारोठिया अध्यक्ष व

श्री राम प्रकाश मारवाल उपाध्यक्ष

चुने जाने तथा

श्री रमेश गैदर

को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के

सम्पादक मनोनीत करने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

भारती -रमेश तोंदवाल

अध्यक्ष- कुमावत इंडिया पत्रिका

मो. : 9414810584

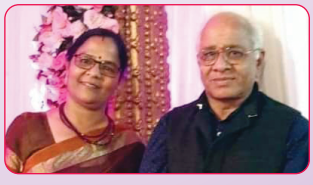

TARKASHI
JEWELLERS
SINCE 1990 | JAIPUR

GOLD DIAMOND KUNDAN SILVER

10, J.DA. Shopping center, Bajaj Nagar, Jaipur

tarkashijewellers@gmail.com

Mahedra Singh
+91-9887419340

Prashant kumawat
+91-7737561581

विज्ञापन

भारत के मिसाइल मैन डॉ. अब्दुल कलाम

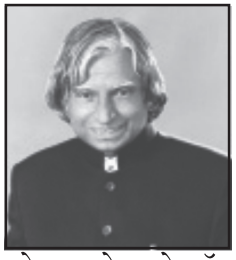

'भारत रत्न' से सम्मानित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत के प्रख्यात वैज्ञानिक एवं भारत के 11वें एवं पहले गैर राजनीतिज्ञ राष्ट्रपति थे, जिन्हें ''मिसाइल मैन'' के नाम से भी जानते हैं। बच्चों और विद्यार्थियों पर असीम स्नेह करने वाले डॉ. कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को धनुषकोड़ी गांव (रामेश्वरम-तमिलनाडु) के एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके शिक्षक इयादुराई सोलोमन ने उनसे कहा था कि जीवन में सफलता तथा अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए तीव्र इच्छा, आस्था, अपेक्षा इन तीन शक्तियों को भली-भांति समझ लेना और उन पर प्रभुत्व स्थापित करना चाहिए। प्राथमिक शाला के बालक अब्दुल कलाम ने अपने अध्यापक के शब्दों को जीवन का मंत्र बना लिया।

रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (DRDO) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में वैज्ञानिक के रूप में काम करते हुए बैलेस्टिक मिसाइल तथा सेटेलाइट प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में इन्होंने चार दशक तक योगदान दिया। इस कारण इन्हें मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है। 1998 में पोकरण द्वितीय परमाणु परीक्षण में भी आपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डॉ. कलाम जीवन पर्यन्त शिक्षा, लेखन और सार्वजनिक सेवा से जुड़े रहे। 27 जुलाई, 2015 को भारतीय प्रबंध संस्थान, शिलांग में एक व्याख्यान देते समय प्राणघातक दिल का दौरा पड़ा, जिसमें सादगी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम की मृत्यु हो गई। डॉ. अब्दुल कलाम का जीवन देशवासियों विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है। प्रस्तुत है उनके जीवन से जुड़े कुछ प्रेरक प्रसंग।

जिन दिनों डॉ. कलाम वैज्ञानिक के रूप में काम करते थे, एक बार उनकी टीम के एक सदस्य ने घर जल्दी जाने की अनुमति मांगी ताकि वो अपने बच्चों को एक प्रदर्शनी में ले जा सके। लेकिन व्यस्तता के कारण वो ये बात भूल गया। शाम को पश्चाताप करता हुआ जब वो थोड़ी देर से घर पहुंचा तो पता चला कि डॉ. कलाम बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने ले गए हैं।

एक बार कक्षा 6 के एक छात्र ने 'विंग्स ऑफ फायर' किताब पढ़ने के बाद डॉ. कलाम का एक स्केच बनाया। परिवार वालों ने प्रोत्साहित किया कि इसे राष्ट्रपति को भेजो। लड़के ने सोचा इससे क्या होगा, ये तो उन्हें मिलेगा भी नहीं, पर फिर बहुत जोर डालने पर उसने स्केच भेज दिया। कुछ दिन बाद उसे डॉ. कलाम का अपने हाथों से लिखा संदेश तथा हस्ताक्षर किया हुआ धन्यवाद का पत्र मिला।

आईआईटी (बीएचयू) के दीक्षांत समारोह में डॉ. कलाम मुख्य अतिथि थे, जब वे मंच पर पहुंचे तो देखा कि उनके लिए जो कुर्सी लगी है वो बाकी कुर्सियों से बड़ी है। उन्होंने तुरंत उस पर बैठने से मना कर दिया और कुलपति को उस पर बैठने का आग्रह किया। जब कुलपति उस पर नहीं बैठे तो सामान्य कुर्सी मंगाई गई और तब सब लोग बैठे ये महानताएं थी उनके चरित्र की।

गणेशजी को विदा नहीं करें...

भगवान् गणेशजी को कभी भी विदा नहीं करना चाहिए, क्योंकि यदि विघ्नहर्ता ही विदा हो गए तो आपके विघ्न कौन हरेगा?

क्या कभी सोचा है गणेश प्रतिमा का विसर्जन क्यों?

अधिकतर लोग एक दूसरे की देखा देखी गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं और 3 या 5 या 7 या 11 दिन की पूजा के उपरांत उनका विसर्जन भी करते हैं।

आप सब से निवेदन है कि आप गणपति की स्थापना करें पर विसर्जन नहीं। विसर्जन केवल महाराष्ट्र में ही होता हैं क्योंकि गणपति वहाँ एक मेहमान बनकर गये थे, वहाँ लाल बाग के राजा कार्तिकेय ने अपने भाई गणेश जी को अपने यहाँ बुलाया और कुछ दिन वहाँ रहने का आग्रह किया था। जितने दिन गणेश जी वहां रहे उतने दिन माता लक्ष्मी और उनकी पत्नी रिद्धि व सिद्धि भी वहीँ रही। इनके रहने से लाल बाग धन धान्य से परिपूर्ण हो गया तो कार्तिकेय जी ने उतने दिन का गणेशजी को लालबाग का राजा मानकर सम्मान दिया । यही पूजन गणपति उत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

अब रही बात देश के अन्य स्थानों की तो गणेशजी हमारे घर के मालिक हैं और घर के मालिक को कभी विदा नही करते। यदि हम गणपतिजी का विसर्जन करते हैं तो उनके साथ लक्ष्मीजी व रिद्धि सिद्धि भी चली जायेंगी तो जीवन में बचेगा ही क्या?

हम बड़े शौक से कहते हैं गणपति बाप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ इसका मतलब हमने एक वर्ष के लिए गणेशजी लक्ष्मीजी आदि को जबरदस्ती पानी में बहा दिया तो आप स्वयं सोचो कि आप किस प्रकार से नवरात्रि पूजा करोगे, किस प्रकार दीपावली पूजन करोगे और क्या किसी भी शुभ कार्य को करने का अधिकार रखते हो जब आपने उन्हें एक वर्ष के लिए विदा कर दिया। इसलिए गणेशजी की स्थापना करें पर विसर्जन कभी न करें।

-राजेश खोरानिया, झोटवाड़ा, जयपुर

रियासतों से भारत बनाने के शिल्पी सरदार वल्लभ भाई पटेल

स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री एवं ग्रह मंत्री जिन्होंने 565 रियासतों का भारत में विलीनकरण करने का जटिल कार्य किया तथा हैदराबाद एवं जूनागढ़ रियासतों को भारत में मिलाकर आधुनिक भारत के शिल्पकार बने। यह महत्वपूर्ण कार्य तत्परता एवं चतुरता से किया। इसके कारण उन्हें सदैव याद रखा जायेगा।

वल्लभ भाई पटेल का जन्म लेवा पाटीदार जाति में नडियार, गुजरात में 31 अक्टूबर 1875 को हुआ। इन्होंने लन्दन से वैरिस्टर की पढ़ाई की तथा अहमदाबाद में वकालत की। किन्तु गांधी जी से प्रभावित हो वकालत छोड़कर स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े।

खेड़ा आन्दोलन : वर्ष 1918 में खेड़ा में भयंकर सूखा पड़ा किन्तु अंग्रेज सरकार ने किसानों को लगान में छूट नहीं दी। तब सरदार पटेल व गांधीजी ने किसान आन्दोलन का नेतृत्व किया। अन्ततः सरकार झूकी व लगान माफ किया, यह वल्लभ भाई पटेल की पहली सफलता थी।

बारडोली सत्याग्रह : वर्ष 1928 में तत्कालीन प्रान्तीय सरकार ने लगान में 30 प्रतिशत वृद्धि कर दी, पटेल ने इसका जमकर विरोध किया। सरकार ने आन्दोलन को कुचलने के कठोर प्रयास किये। पर अन्ततः सरकार झुकी और इस वृद्धि को 6 प्रतिशत रखा। इस सत्याग्रह की सफलता का श्रेय केवल वल्लभ भाई पटेल को जाता है। अतः वहां की महिलाओं ने उन्हें '**सरदार**' की उपाधि दी। गांधीजी ने कहा कि इस आन्दोलन से '**स्वराज**' प्राप्ति की ओर कदम बढ़ा है।

स्वतंत्रता आन्दोलन : सरदार पटेल अब आजादी के आन्दोलन से सीधे जुड़ गये। गांधीजी ने सत्य, अहिंसा पर आधारित सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया। वहीं **सरदार पटेल को इसे व्यवहार में लाने के लिए भारत की आम जनता को एकत्र करने का श्रेय है।** गांधी ने 1930 में कराची अधिवेशन में कहा कि नेहरू विचारक है तो पटेल कार्य करने वाले व्यक्ति हैं। आजादी के आन्दोलन में युवा शक्ति को इन्होंने जोड़ा तथा स्वाभिमान चाहते हो तो स्कूल-कॉलेज छोड़कर असहयोग आंदोलन में कूद पड़ो। मैं क्या करुंगा इसे छोड़ो स्वाधीनता आन्दोलन में सहयोग करो।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी : सरदार वल्लभ भाई पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 1918 को नर्मदा जिला गुजरात में नर्मदा नदी के एक टापू पर सरदार पटेल की 597 फिट की विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति का अनावरण किया। इसे स्टेच्यू ऑफ यूनिटी नाम दिया गया। इस मूर्ति को बनाने के लिए भारत भर से गांव में रहने वाले किसानों से बेकार पड़े लौहे को एकत्र किया गया।

इस मूर्ति पर कांस्य की कोटिंग की गई है तथा लिफ्ट एवं आब्जरवर डेक का निर्माण किया गया है। एक आधुनिक पब्लिक प्लाजा बनाया जहां से नर्मदा नदी व मूर्ति देख सकते हैं, इसमें खान-पान व रिटेल शॉप भी है। नाव से मूर्ति तक 5 मिनट में पहुंचा जा सकता है। एक विशाल संग्रहालय तथा प्रदर्शनी हॉल बनाया गया है जहां पटेल का जीवन व योगदान दर्शाया गया है।

ऐसे सरदार पटेल को उनकी जयंति पर नमन।

रसोई से

दीवाली पर यूं बनाए काजू कतली

बाजार जैसी स्वादिस्ट काजू कतली घर पर भी तैयार की जा सकती है इसे बनाना भी बहुत आसान है। ये खाने में स्वादिस्ट होने के साथ ही काफी पोस्टिक भी होती है तथा एक बार बना लेने पर कई दिनों तक खराब नही होती है, तो आईये बनाते है, काजू कतली मिठाई।

सामग्री- 2 कप काजू टूकडी, 1 कप चीनी, आधी चम्मच इलायची पावडर, देशी घी 1 चम्मच बडा, आधा कप मिल्क पाउडर, बटर पेपर 2

विधि- सबसे पहले काजू टूकडी को मिक्सी में बारीक पिस लेगें, पाउडर की तरह हो जाने पर चलनी की सहायता से इसे अच्छी तरह छान कर रख देगें। अब कढाई में 1 कप पानी डालकर मध्यम आंच पर गैस पर रख देगें, पानी में उबाल आने पर चीनी डालकर एक तार की चाशनी बना लेगें। चाशनी बन जाने पर इसमें काजू पाउडर, इलायची पाउडर डालकर 2 मिनट पकायेगें, थोडा पक जाने पर इसमें मिल्क पाउडर डालकर हिलाते हुये और 2-3 मिनट और पकायेगें इसके बाद एक चम्मच घी डालकर हिलायेगें। अब गैस से नीचे उतार कर थोडा ठण्डा होने देगें। ठण्डा हो जाने पर बटर पेपर रख कर बेलन की सहायता से इसे बेलेगें। अब इसे 1/3 इंच मोटे गोल आकार बेल लेगें। अब चांदी का वर्क लगायेगें । इसके बाद चाकू का उपयोग करके काजू बर्फी के आकार में काट ले। काजू कतली तैयार है।

- राजबाला कुमावत, सांगानेर

दीपावली से जुड़ी बचपन की यादें और अब के अहसास.....

कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा 'दीपावली से जुड़ी बचपन की यादें और अब के अहसास' के संबंध में सुधि पाठकों, समाजबंधुओं से उनके अनुभव, बचपन की यादें व घटना जिसे आप भुलाये नहीं भूल सकते आमंत्रित की गई थी। पाठकों, समाजबंधुओं द्वारा अत्यधिक संख्या में अपने अनुभव, घटना एवं बचपन की यादें कुमावत इंडिया पत्रिका से साझा की गई, पत्रिका सभी पाठकों एवं समाजबंधुओं का धन्यवाद व आभार प्रकट करती है। कुमावत इंडिया पत्रिका पाठकों एवं समाजबंधुओ द्वारा प्रेषित की गई श्रेष्ठ व उत्कृष्ट अनुभवों, यादों, घटनाओं को पत्रिका के 'दीपावली विशेषांक' में प्रकाशित किया जा रहा है। सभी पाठकों एवं समाजबंधुओ से आशा करते हैं भविष्य में भी पत्रिका से जुड़कर सहयोग करते रहेंगे। दीपावली की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

यादों की बात करूं तो ज्यादातर मीठी यादें हैं और कुछ ऐसी भी है जो दिल में जख्म की तरह है। और सच ये है कि हम लोग मीठी यादें उतनी याद नहीं करते जितनी कडवी। मेरे बचपन का एक दोस्त था जिसका नाम कुणाल था। वह बहुत चंचल और शरारती था। उसको कैंसर हो गया था। दीपावली से पहले हम सभी दोस्तों ने निर्णय लिया कि इस दीपावली हम उसके घर इकट्ठे मिलने जायेंगे जिससे वो अपने आपको बेहतर महसूस करें तो हमने अपनी तैयारी कर ली और दीपावली के दिन उसके घर पहुँच गए। सभी दोस्तों को एक साथ देखकर उसकी आँखों में खुशी का ठिकाना न था, उसे मैं आज तक नहीं भुला सका। हम सभी दोस्तों ने जमकर आतिशबाजी की। उसके मम्मी-पापा बहुत खुश थे पर मुझे थोड़ा-सा डर था कि कहीं मेरे मम्मी-पापा देर होने पर गुस्सा न करे इसलिए मैं वहां से आने में जल्दबाजी करने लगा और मैंने सबको जल्दी चलने के लिए मना लिया और हम वहां से जल्दी चल दिए।

सुबह दुख:द खबर मिली कि कुणाल हम सब को छोड़कर हमेशा के लिए इस दुनिया से विदा हो गया। उस दिन से आज तक मैं उसका वो चेहरा नहीं भुला सका जब मैंने उसके घर से जल्दी आने की जिद्द की थी और वो हमें रोकना चाहता था। सोचता हूं क्या वो मुझे माफ कर पाया होगा?....

-गणपत कुमावत ग्राम भादवा, जोबनेर

दीवाली का त्योहार मेरे दिल के काफी करीब है। पिताजी बीकानेर में सर्विस करते थे। दीवाली की छुट्टियां में दीवाली का गृहकार्य जो कि स्कूल से दिया जाता था जल्दी से जल्द से पूरा कर लिया जाता था। दीवाली मनाने के लिए हम सपरिवार गांव झाडली, कांवट चले जाते थे। परिवार के अन्य सदस्य भी गांव पहुंच जाते थे। गांव में चूंकि संयुक्त परिवार था तो मकान, घर बन जाता था इतने लोगों का हूजुम लग जाता था। साफ-सफाई होती थी शुरुआत घर के आँगन में सफेद कली के पत्थर घोले जाते थे, उसमें उजाला की नील डाली जाती थी। परिवार के सभी सदस्य कली करने में जुट जाते थे। सुनहरी गुनगुनी धूप हल्की सर्दी का अहसास कराती थी। दादी, मम्मी लाल मिट्टी व गोबर से चूल्हा, आंगन को लिपती थी। उनकी हँसी ठिठोली में कब दिन पूरा हो जाता पता नहीं लगता था। बहन, दीदी, चाची, भाभी सफेद कली से आंगन दीवार पर मांडने उकेरती थी। वो रंगोली आज की रंगोली के सामने फीकी नजर आती है। फिल्मी पोस्टर, देवताओं के पोस्टर, पटाखों से बाजार सज जाते थे। पापा तीनों भाई-बहनों के एक कपड़े की ड्रेस बनवाते थे। शाम को मिट्टी के दीयों से पूरा घर रोशन हो जाता था। पूरा परिवार एक साथ दीवाली मनाता था। पापा मुझे मुर्गा छाप लाल बत्ती का पटाखा चलाना सिखाया करते थे। मैं चबूतरे पर बैठ कर दीये से पटाखों की बत्ती को जलाता और आगे फेंकने की बजाय पीछे फेंक कर कूदता था।

हालांकि, अब पहले वाली बात नहीं रही। धीर-धीरे दीवाली के त्योहार में काफी परिवर्तन हुआ, इसमें आज आधुनिकता दिखती है। अब पर्व त्योहारों के मायने वाट्सएप और सोशल मीडिया तक सीमित होकर रह गए हैं। अब लोगों को किसी से मिलने की फुर्सत ही नहीं है। जबकि पहले लोग दीपावली के दिन दुकानों में जाकर एक-दूसरे को त्योहार की बधाई देते थे। उसके बाद अगले दिन घरों पर आना-जाना लगा रहता था। सभी लोग बड़े प्रेम और आत्मीयता से मिलते थे। बचपन की दिवाली भुलाए नहीं भूलता।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका को धन्यवाद जिन्होंने आज बचपन की यादों को फिर से ताजा कर दिया।

-दीपक कुमावत फार्मासिस्ट

बचपन में पटाखें काफी मुश्किल से मिलते थे। पापा पटाखे लेकर आते थे और सबको हिसाब से बांटते थे। मुझे पटाखें जलाने से ज्यादा घर को सजाना ज्यादा पसंद था। दिवाली के समय मैं घर में अल्पना, रंगोली बहुत बनाया करती थी। एक बार दिवाली पर मैं फव्वारा जला रही थी। तभी फव्वारा मेरे हाथ पर ही फूट गया। मेरा अंगूठा काफी जल गया था। घर में डांट पड़ने के डर किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन जब दर्द बर्दाश्त नहीं हुआ तो आधी रात को मां को इस बारे में बताया। उस किस्से के बाद मुझे पटाखों से डर लगने लग गया और उसके बाद मैंने पटाखें जलाना बंद कर दिया। मेरा आप सभी

से आग्रह है कि सावधानी से पटाखें चलाएं।

-दीपिका कुमावत, योगगुरू जयपुर

वैसे तो बचपन का हर दिन ही अच्छा था। लेकिन बचपन की यादें ऐसी होती हैं कि हम कम से कम दिवाली में तो बच्चा बन ही जाना चाहते हैं। बचपन के दिनों में दोस्तों के बीच पटाखों को लेकर जमकर चर्चा होती थी। 'इस बार हम ऐसा रॉकेट लाएंगे, जो आसमान में मेरा नाम लिख देगा', 'इस बार मैं हजार रुपये के पटाखे लूंगा।' हम सभी दोस्त मिलकर बचपन में ऐसी गप्पे किया करते थे। मम्मी यह सोचकर परेशान रहती थी कि घर की सफाई और खरीदारी कैसे पूरी होगी। दिवाली में घर की सफाई करने का भी अलग मजा होता था और हमारे लिए ये किसी खेल से कम नहीं था। इस सफाई का सबसे बड़ा फायदा ये होता था कि खोया हुआ सारा सामान मिल जाता था। खिलौनों से लेकर किताबें तक। इस बीच कहीं कुछ सिक्के मिल जाते तो फिर चांदी ही चांदी हो जाती थी। दीपावली का उत्साह एक रात पहले ना आंखों में नींद आने देती थी और ना ही सुबह देर तक सोने देता था। मन में ये बेचैनी लगी रहती थी कि कब शाम हो और हम नए कपड़े पहनकर पटाखे फोड़ सकें। बचपन में हम लोगों को साल में सिर्फ एक बार ही नए कपड़े और जूते मिलते थे और वह वक्त दीपावली का ही होता था। इसलिए हम लोग साल भर से दीपावली का बेसब्री का इंतजार किया करते थे। सौ रुपये में पटाखे खरीदते थे, तो एक हफ्ते तक चलता था। अब तक 100 रुपये में फुलझड़ी की एक पैकेट ही आती है। अब पर्व त्योहारों के मायने वाट्सएप और सोशल मीडिया तक सीमित होकर रह गए।

-राकेश कुमावत एडवोकेट, राज. उच्च न्यायालय, जयपुर

आधुनिकता की बयार का असर अब पारंपरिक त्यौहारों पर भी साफ नजर आने लगा है। दीपावली पर्व भी आधुनिकता के रंग में रंगता जा रहा है। दीपावली पर दीप मालाओं के त्योहार में घरों से दीये और बाती दोनों गायब हो चुके हैं। इसका स्थान चाइनीज लड़ियों ने ले लिया है। हालांकि देशभर में सोशल मीडिया पर चाइनीज सामान का इस्तेमाल न करने की अपील का कुछ असर तो हुआ, लेकिन इसके बावजूद बाजार में चाइनीज लड़ियां बिकती है।

घरों में दीपावली पर पकने वाले लजीज पकवानों की महक अब गुम हो गई है, इसकी जगह अब रेडीमेड मिठाइयों ने ले ली है। दीपावली पर होने वाले पूजा कार्यक्रम महज बुजुर्गों तक सिमट कर रह गया है। त्योहारों के मौके पर युवा वर्ग पूजा-पाठ व घर पर रहने के स्थान पर अब मौज मस्ती करने को अधिक तरजीह देने लगा है। दीपावली पर उपहार स्वरूप दिए जाने वाले खील-पताशों व अखरोट का चलन भी अब नाम मात्र ही रह गया है। बड़े-बड़े गिफ्ट पैक व दिखावे के चलते बदलते परिवेश में दीपावली के मायने ही बदल गए हैं। मिठाइयों के अलावा लोग गिफ्ट में जूस, बिस्कुट, चॉकलेट व ड्राई फ्रूट देना ज्यादा पसंद करते है।

-रवि कुमावत, सांगानेर, जयपुर

पाश्चात्य संस्कृति एवं चकाचौंध के दौर में अब दीपावली के पर्व पर भी आधुनिकता का रंग चढ़ रहा है। बदलते दौर में बहुत कुछ बदला है, दिवाली पर्व भी बदल गया है। अब न वो मिट्टी के घरौंदे हैं, न वो मिट्टी के खिलौने। आज के बच्चों को क्या पता, मोम जमा करने का जुनून क्या होता था? वीडियो गेम और स्मार्टफोन वाले ये बच्चे शायद ये भी नहीं जानते कि जिस दीये को जलाकर दिवाली मनाई जाती थी, वहीं दीये अगले दिन तराजू के पलड़े बन जाते थे। बड़े लोग जिस जतन से मोमबत्ती जलाकर सजाते थे, बच्चे कहीं अधिक जतन से मोम बटोरते थे। मोमबत्ती कितनी देर जली, उससे अधिक ध्यान इस पर रहता था कि कितना मोम गिरा। रात में मोमबत्ती गिरी तो लूट ली और दिवाली की अगली सुबह तो दो-तीन घंटे घूम-घूमकर मोम बटोरने में ही चला जाता था। जो पटाखे छूटते नहीं थे, वे बत्ती जलने के कारण इधर-उधर गुम हो जाते थे। फिर बच्चे उन्हें खोजते रहते थे। पहले पटाखे भी ऐसे कानफाड़ू नहीं होते थे। फुलझडियां मिलती थी उसे जलाकर हम इतने खुश होते थे कि जैसे जहां पा लिया हो! हम तुरंत सारी फुलझडियां खत्म नहीं करते बल्की बचा-बचाकर जलाते थे।

दीपावली खुशियों और रोशनी का पर्व है। इस पर्व पर खुशियां ही बांटी जानी चाहिए। दीपावली पर बहुत सारे लोग तेज आवाज वाले पटाखे फोड़ते हैं, हम कोई भी त्यौहार किसी भी तरीके से मनाएं, उसको समुदाय केंद्रित बनाकर परंपरा के सरोकारों को जीवित रखें। परंपरा के यहीं सरोकार हमें लोगों से जोड़ते हैं।

-मेघना कुमावत, एडवोकेट, जयपुर उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, भाजपा सिविल लाईन मण्डल, जयपुर

बचपन की दीपावली की यादें : जब हम छोटे होते थे तो दीपावली का इंतजार हमारे लिए अद्भुत होता था। हम बहुत दिनों पहले से ही घर को सजाने और दीपों से रोशन करने की तैयारी में जुट जाते थे। पटाखों का धमाका, रंगोलियों व मांडणों की रचना और उपहारों का स्वागत ये सब हमारे दिल को खुशी से भर देता था। अपने दोस्तों के साथ पटाखों की धूंध में खेलना ओर मिठाईयों का स्वाद लेना ये यादें आज भी जिन्दा हैं।

परिवार व परम्पराएं : दीपावली का सबसे अच्छा हिस्सा हमारा परिवार होता है। हमारे परिवार के सभी सदस्यों और दोस्तों

के साथ मिलकर यह त्योहार खुशी और प्यार से मनाते हैं। दीपावली के पर्व में दीपों को प्रज्ज्वलित करना, पूजा करना, मिठाईयां बांटना और आपसी प्यार से परिपूर्ण होता है। यह संगठन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे हमारे परिवार में एकता और प्रेम बढ़ता है।

दिवाली के जश्न की विकास : हमारी दिवाली की मनाने की शैली और तरीके वर्षों के साथ बदल चुके हैं। हम बड़े होने के साथ दिवाली को और गहरे तरीके से समझने लगते हैं। बचपन में हम सिर्फ खुश होने की इच्छा करते थे, लेकिन आज हम दीपावली के पर्व के पीछे छिपे महत्व को भी समझते हैं।

पर्यावरण जागरूकता : एक और बड़ा बदलाव जो हमारे दिवाली के मनाने में हुआ है, वह है पर्यावरण की जागरूकता। हम सब जानते हैं कि पटाखों का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखें ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और अच्छे वातावरण का आनंद उठाने का मौका दे सकें।

दीपावली के इस पावन त्योहार पर मैं सभी को दिल से शुभकामनाएं देती हूँ। दीपों की रोशनी से हमारे जीवन में सुख, समृद्धि और शान्ति आए। **-सीमा कुमावत (मारवाल)**

पहले दीपावली से पूर्व घर की एक ही दिन में सफाई हम बच्चों को भी परिवार के साथ करनी होती थी, हम थककर चूर हो जाते। दो-तीन साल में घर की पुताई करनी होती तो हमें ही करनी पड़ती तथा हाल ओर बुरे हो जाते क्योंकि यह प्राय: 3-4 दिन चलती थी। पर सबके साथ से काम कब पूरा हो जाता था पता ही नहीं चलता था। दिवाली के दिन अशोक के पत्ते तोड़कर लाते तथा बाजार से गैंदे के फूल लाकर उनकी माला बनाते। बड़े ही चाव से घर को सजाते कि हमारा घर सबसे सुन्दर व स्वच्छ लगे। तब आंगन में चूने व हिरमिच/कत्थे से रंगोली बनाते थे। सांझ से पहले मिट्टी के दीये पानी में भिगोकर निकालते और उसमें तेल भरकर रुई की बाती लगाते। जैसे ही शाम होती इन दीयों को जाने का काम हम बच्चों का ही होता, पर माँ कहती कि सावधानी रखना कहीं जल न जाओ। फिर पिताजी के द्वारा लाये नये कपड़े पहनकर इतराने का मजा ही कुछ और था। टिक्की पटाखे छोटी पिस्तोल से चलाने व छोटे बम पटाखों को एक-एक कर जलाने का आनन्द अलग ही था। दीपावली पर बड़ों को ढोक देने का प्रचलन हमारी संस्कृति का भाग रहा है। रात को मुर्हुत अनुसार माता-पिताजी द्वारा लक्ष्मी पूजन किया जाता। हालांकि हम बच्चों का मन पटाखे व मिठाई की ओर ही रहता। पर मिठाई लक्ष्मी पूजन के बाद मिलती। दूसरे दिन गन्नों का रस चूसने का आनन्द हम बड़े चाव से लेते व पूजा के खिले, फूले व चीनी के खिलौने वाली मिठाई को हम चाव से खाते ऐसा शायद ही अब कोई करता है, पर तबकी बात और थी।

- रमेश कुमावत, से.नि. आयुक्त आयकर

अखण्ड सौभाग्य के लिए करवाचौथ व्रत

चौथ पूजा के दौरान एक समूह में बैठ गीतगाते हुए व थालियों की फेरी करती हुई महिलाएं

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवा चौथ का व्रत बडी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। प्रात: स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। इस दिन भालचन्द्र गणेशजी की अर्चना की जाती है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है, जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम करएक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंटकर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हरवर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अत: सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

भारत देश में वैसे तो चौथमाता जी के कई मंदिर स्थित है, लेकिन सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गाँव में स्थित है। चौथमाता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। चौथमाता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने की थी। **-शोभिका कुमावत,** सवाई माधोपुर

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

22 सितम्बर श्रीमती भंवरीदेवी धर्मपत्नी श्री कालूराम धुंधनवाल, ब्यावर, अजमेर
22 सितम्बर श्रीमती मोहनी देवी धर्मपत्नी श्री जगदीश प्रसाद देवतवाल, ब्यावर अजमेर
22 सितम्बर श्री रमेश चन्द कुण्डलवाल, मानसरोवर, जयपुर
22 सितम्बर श्री रामस्वरूप घोड़ेला, लालपुरा कॉलोनी, जयपुर
22 सितम्बर श्री कैलाश चन्द बाबरिया (रसोईदार) चौमूं, जयपुर
25 सितम्बर श्री प्रेम किशोर, एडवोकेट पुत्र श्री शोभाराम मणेठिया बगरू, जयपुर
25 सितम्बर श्री मूलचन्द पीपलोदा फतेहपुरा, बेगस, जयपुर
26 सितम्बर श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नी श्री आरेमप्रकाश मारवाल, मानसरोवर, जयपुर
26 सितम्बर श्री प्रेमचन्द कुमावत शास्त्री नगर, जयपुर
27 सितम्बर श्री त्रिलोकचन्द लारना, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर
27 सितम्बर श्री लल्लू लाल बैरा पुत्र श्री रामनारायण बैरा, झोटवाड़ा, जयपुर
28 सितम्बर श्री रामकिशोर लोहरवाड़िया, खातीपुरा, सुखलिया, इन्दौर
28 सितम्बर श्री मिश्रीलाल छाबल्या, ठेकेदार ढाणी कुमावतान डिग्गी रोड, जयपुर
29 सितमब्र श्री राजकुमार जलान्धरा, कुमावत कॉलोनी, बिहारी पोल, किशनगढ़, अजमेर
29 सितम्बर श्री राधेश्याम कुमावत, सलवाड़िया, चांदपोल बाहर, उदयपुर
30 सितम्बर श्रीमती मूली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री दयानन्द खाअूवाल, चाकसू, जयपुर
2 अक्टूबर श्री उमेश चंगेरिया (कुमावत), पहाड़ा, उदयपुर
2 अक्टूबर श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल बबेरीवाल, विवेक विहार, जयपुर
5 अक्टूबर श्रीमती धापू बाई गोठवाल, देवाली, उदयपुर
6 अक्टूबर श्री लखमीनारायण पुत्र स्व. श्री रामेश्वर हीरालाल किरोड़ीवाल, दहिसर पूर्व, मुम्बई
6 अक्टूबर श्री महेश कुमर मून्दोलिया धोली मण्डी चौमूं, जयपुर
6 अक्टूबर श्री शुभम खोवाल पुत्र श्री जितेन्द खोवाल, जयसिंहपुरा, भांकरोटा, जयपुर
6 अक्टूबर श्रीमती मुन्नी देवी धर्मपत्नी श्री नन्दलाल मानेडिया, सांगानेर, जयपुर
7 अक्टूबर श्रीमती कमला पटवा पत्नी इन्द्र सिंह जी, भूपालपुरा, उदयपुर
7 अक्टूबर श्री भागीरथ कुमावत (मुकेश) पुत्र स्व. श्री लादूराम जालन्धरा, माचेड़ी, जयपुर
8 अक्टूबर श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नानगराम खोरानिया, हरीशचन्द्र मार्ग, जयपुर
9 अक्टूबर श्री गोपीराम जूनवाल बोकड़ावास, माधोराजपुरा, जयपुर
12 अक्टूबर श्रीमती राजेश्वरी देवी, विनोबा बस्ती, बरकत नगर, जयपुर
13 अक्टूबर श्री रामप्रसाद कुण्डलवाल, नटराज नगर, ईमली फाटक, जयपुर
13 अक्टूबर श्री पंकज टांक, अशोक विहार, उदयपुर
14 अक्टूबर श्रीमती संतरा देवी पत्नी श्री बाबूलाल नराणिया, फतेहपुरा वाटिका
16 अक्टूबर श्री ऊँकारलाल पालड़िया, ब्रह्मपोल बाहर, उदयपुर
17 अक्टूबर श्री भंवरलाल कुमावत खोराणिया, बड़ पीपली, जयपुर
18 अक्टूबर श्री गुलाब चंद वर्मा, देवतवाल, से.नि. आर्किटेक्ट पीडब्ल्यूडी, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
संतोष	B.Com. ITI, RSCIT	Technicl	21.12.94	5'4''	राहोरिया	आसीवाल	धुंधारिया	राजोरा	9413395996	जयपुर
हर्ष	Diploma	Jaipur Nagar Nigam	25.2.92	5'5''	अनावड़िया	खारोलिया	सिरोहिया	सिंघनवाल	9529553565	जयपुर
भानू	DMLT, BA	Private Job	23.10.99	5'9''	पडलाया	घोड़ेला	माचीवाल	बारावाल	9829516702	जयपुर
अनिल	BA,	Self business	10.7.96	6'0''	बगरानिया	नेनवाल	कारगवाल	किरोड़ीवाल	9166006071	चिड़ावा
मोहित	M.C.A.	Pvt. Ltd.	12.9.96	5'4''	मारवाल	तोंदवाल	अनावड़िया	दिलीवाल	9680098328	जयपुर
अंकित	M.Com.	ICICI DBM	29.10.96	5'6''	जलान्दरा	लोहरवाड़िया	दम्बीवाल	तूंदवाल	8890904529	जयपुर
रोहित	B.A.	Self Business	16.9.96	5'10''	धमुनिया	धुनारिया	चूनवाल	घोड़ेला	7742975284	रिंगस
राहुल	MCA	Developer	4.8.92	6'0''	देवतवाल	तांगड़ा	माचीवाल	सिरोहिया	7222822277	जयपुर
अंकित	B.A.	Pvt. Job.	14.10.94	5'4''	लोठ्या	भोरोदिया	माचीवाल	अजमेरा	7014775216	जयपुर
मतिल	M.Com.	Govt. Service.	9.7.96	5'10''	राजोरिया	उज्जीवाल	अनावड़िया	राहोरिया	9982000467	जयपुर
फनिशसिंह	B.Tech. (Civil)	Consultancy	29.10.95	6'0''	दिल्लीवाल	जगन्नाथा	बारहवाल	गैदर	9314022880	जयपुर
रचित	B.Tech. (EE)	Pvt. Ltd.	16.7.94	5'8''	टांक	खोरानिया	बबेरीवाल	मंडावरा	9351767706	उदयपुर
विशाल	B.E. Civil	Pvt. Ltd.	30.7.97	5'9''	खोवाल	कुण्डलवाल	निरानिया	तूंदवाल	8446909499	झुंझुनूं
रुपेश	M.Com	Govt. service	25.4.94	6'0''	राजोरिया	उज्जीवाल	अनावड़िया	राहोरिया	9982000467	जयपुर
सौरभ	B. Tech.,IIT,MBA	Project Manager	2.10.96	5'10'	सारड़ीवाल	राजोरिया	कारगवाल	सिरस्वा	9929070311	जयपुर
रवि	B.Com., M.Phil	PhD(Pursuing)	22.1.93	5'10''	घोड़ेला	बासनीवाल	तूंदवाल	नागा	9983611031	झुंझुनूं

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
आंचल	LLM	-	28.10.94	5'3''	नेमीवाल	घोड़ेला	तूंदवाल	सिरस्वा	8619877659	सीकर
ऊषाबाला	B.Sc. MCA	-	20.4.94	5'4''	तूंदवाल	दादरवाल	बिंवाल	उमेर्णेया	9444207594	जयपुर
सीमा	B.A.	-	15.2.93	5'4''	जलिन्द्रा	साल्डिवाल	कारगवाल	मामोड़िया	9414043651	जयपुर
नीरू	B.A. (MA pre.)	-	15.11.2000	5'3''	बग्रानिया	ननवाल	कारगवाल	किरोडीवाल	9166006671	चिरावा
अंजली	B.A.	Pvt. School.	10.10.98	5'7''	नीमीवाल	कुदाल	मारवाल	घोड़ेला	8233009001	जयपुर
रविना	M.Com., RS-CIT	-	12.1.96	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बडानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
मोनिका	M.Sc. (Phy.)	Lecturership	27.11.93	5'1''	जूनवाल	माचीवाल	भाट्या	राजोरिया	9828690381	टोंक
रितु	M.Com.	Pvt. Job.	13.8.94	5'1''	खोरानिया	कारगवाल	बालोदिया	काम्या	7877896848	जयपुर
श्रुति	B.Com., MBA	-	16.6.94	5'5''	सिरस्वा	खरनारिया	बासनीवाल	धमुनिया	9414011842	जयपुर
आरति	B.A.	-	30.9.2001	5'2''	मामूड्या	मणेठिया	तांगड़ा	मारवाल	8740948993	सवाईमाधोपुर
लवि(तलाकशुदा)	M.Sc. Bed.	Goct. School II grade	11.1.89	5'3''	तूंदवाल	आसीवाल	मारवाल	राजोरिया	9414074376	जयपुर
लता	M.A.	-	20.7.97	5'3''	घोड़ेला	बासनीाल	तूंदवाल	नागा	9983611031	झुंझुनूं
वापिका	MCA	Pvt. Job	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	बोड़िया	9351708090	जयपुर
दिव्या	B.Tech.(CS)	Pvt. Job.	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खूखवाल	खटवाल	8947992776	जयपुर
अदिति	B.Tech. (CS)	Senior Devop.	16.11.97	5'5''	राजोरिया	खोवाल	जेठीवाल	घोड़ेला	9214824200	जयपुर
जैसमीन	BBA,MBA		3.5.93	5'3''	जालवाल	धुंधारिया	मारोठिया	बबेरीवाल	9530200445	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम **''कुमावत इंडिया पत्रिका''**

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

प्रेमदेवी बनी वॉल पेंटिंग आर्टिस्ट

प्रेमदेवी कुमावत का ससुराल सामोद में है, वह अपने पति भंवरलाल को वॉल पेंटिंग करते बड़ी रुचि से देखती थी, तो 30-35 वर्ष पहले उसका मन इसे सीखने को हुआ। यदि मन में कुछ कर गुजरने की इच्छा हो तो कोई काम मुश्किल नहीं होता। वॉल पेंटिंग बनाना उन्होंने अपने पति से सीखा और उसे पहला काम सामोद महल में मिला। वह घर से घूंघट निकाल कर जाती और वहां पेंटिंग करती, उनकी कला को सराहना मिली। प्रेम देवी कुमावत ने मण्डावा, जैसलमेर, मुम्बई, बैंगलूरू, दिल्ली, ग्वालियर, मद्रास में पेंटिंग्स बनाई है तथा बेल्जियम, साउथ अफ्रीका व मॉरीशस में वॉल पेंटिंग्स बनाकर 'कुमावत समाज' का नाम रोशन किया है। वह एकमात्र ऐसी महिला रही हैं जो वॉल पेंटिंग्स आर्टिसट रही है। इन्होंने आसपास के लगभग 30 युवाओं को यह काम सिखाया, जिससे उनकी आजीविका चल रही है। प्रेम देवी गढ़, महल, हवेलियों की दीवारों पर बनी पुरानी पेंटिंग्स भी हूबहू बना देती है जो बड़ा ही मुश्किल कार्य है किन्तु अभ्यास से ये इसे आसानी से बना लेती है।

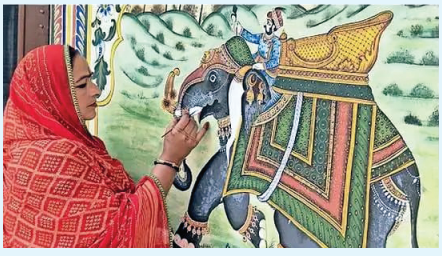

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्रीमती प्रेमदेवी कुमावत के कार्य की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

श्री महेन्द्र कुमार कुमावत को पीएचडी की डिग्री प्रदान

राजस्थान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा श्री महेन्द्र कुमार कुमावत को A STUDY OF THE IMPECT OF CONTINUOUS AND COMPREHENSIVE EVALUATION ON TEACHERS WORKING EFFICIENCE, WORKLOAD AND STUDENTS MENTAL PRESSURE AND ACHIEVEMENT विषय में प्रो. (डॉ.) सुनीता भार्गव के निर्देशन में रिसर्च किए जाने पर राजस्थान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा पीएचडी डिग्री (शिक्षा)-2023-24 प्रदान की है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री महेन्द्र कुमार कुमावत को पीएचडी डिग्री मिलने पर हार्दिक बधाई।

आभार

हमारी प्रिय

श्रीमती संतोष कुमावत

का स्वर्गवास 26 सितम्बर, 2023 को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रगणों, सामाजिक एवं व्यापारिक संस्थाओं तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने व्यक्तिगत उपस्थित होकर, संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें संबल दिया।

हम सभी परिवारजन आप सभी का आभार व्यक्त करते हैं।

विज्ञापन

आभारकर्ता

ओमप्रकाश मारवाल (पति), ललित-टीना व देवेन्द्र-नूपुर (पुत्र-पुत्रवधु), पिंकी-राकेश (पुत्री-दामाद), प्रहलाद, नन्दकिशोर व जुगल किशोर (देवर), जुगल किशोर-पुष्पा व रवि-रेखा (नन्दोई-ननद) निखिल, पार्थ, मनन व यर्थात (भतीजे), तनिष्क (पौत्र), ओविशा (दोहित्री) एवं समस्त मारवाल परिवार

ललित ऑटो टायर M.: 96603 33222, 94622 22622

64, मानसिंहपुरा, गांधी नगर रेलवे स्टेशन के सामने, टोंक रोड, जयपुर-302015

वैवाहिक

RACHIT TAUNK

PERSONAL DETAILS

Date of birth : 16th July 1994 (11:50PM)
Place of birth : Udaipur, Rajasthan
Height : 5 Feet 8 Inches
Qualification : B.Tech Electrical
Job : Asst. Manager (QC) at Tempsens Instruments Pvt. Ltd. at Udaipur.
Food Habit - Vegetarian, Non-alcoholic, Non-smoker

HOROSCIOE

Cast : Kumawat
Patrilineal Gotra : Taunk (Self), Baberiwal (Dadi)
Matrilineal Gotra : Khorania (Mother), Mandawara (Nani)

FAMILY BACKGROUND

Grandparent's details: Lt. Shri. Shayam Lal Taunk (Dadaji) (Udaipur)
Lt. Smt. Gaytri Devi Taunk (Dadiji)
Shri Durga Prasad Khorania (Nanaji) (Jaipur)
Lt. Smt. Yashoda Khorania (Naniji)
Father : Lt. Mr. Prakash Taunk (Civil Engineer)
Mother : Mrs. Sarita Taunk (Zone VP – Bhartiya Kumawat Shatriya Mahasabha)
Elder Sister : Mrs. Prachi Harad (Chartered Accountant) Mumbai
Brother-in-law : Mr. Garvit Harad (Aerospace Engineer) Mumbai

CONTACT

Mobile No. - 9351767706 (Mother)
Email - rachittaunk56@gmail.com
Address - Panchwati Udaipur (Rajasthan)

Jkj यशोदा कान्हा कॉन्टेस्ट में भाग लिया गिफ्ट लेते हुए शकुन सिंह दिल्लीवाल रैनित सिंह दिल्लीवाल

शुभेच्छु

श्री दिलिप सिंह जी व श्रीमती शकुन देवी (दादा-दादी)
श्री अंकित - श्रीमती रेणु (माता-पिता)
श्री फनिश (चाचा)

पता- दयासदन, प्लाट न. 3 शान्ति नगर, बैनाड़ रोड दादी का फाटक विकास स्कूल के पास, जयपुर 302012

श्री राम प्रकाश मारोठिया

श्री राम प्रकाश मारवाल

श्री रमेश गैदर

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के
श्री राम प्रकाश मारोठिया अध्यक्ष व **श्री राम प्रकाश मारवाल** उपाध्यक्ष
चुने जाने तथा
श्री रमेश गैदर
को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के सम्पादक मनोनीत करने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं
कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार

।। सप्तम् पुण्यतिथि ।।

10 Feb. 1946 - 24 Oct. 2016

स्व. श्री सुभाष कुमावत (तोंदवाल)

आप के द्वारा स्थापित धैर्य एवं आध्यात्म के पथ पर निरन्तर चलने की शपथ लेते आपके

सप्तम् निर्वाण दिवस पर श्रृद्धावनवत्

श्रीमती सरला देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री सुभाष कुमावत (तोंदवाल)
अनिल कुमावत - मनीषा, सुनील कुमावत - भावना (पुत्र-पुत्रवधु)
शकुन्तला - श्री दौलतराम कुमावत (पुत्री-दामाद)
मिलिन्द, राधिका, लेखीका, निखिल कुमावत (पौत्र-पौत्री), आशीष, शिवानी कुमावत (दोहिता-दोहिती)

विज्ञापन

Ashirwad
TRADERS
Manufacturers & Supplier
All Kind of Marble & Handicraft Items
Cell : 99289-14363 • 98290-14363

28, Ashirwad, Road No. 1, Shiv Nagar, V.K.I. Area, Opp. Vivekanand Sr. Sec. School. Jaipur

श्रद्धांजलि

हमारी प्रिय

श्रीमती संतोष कुमावत

(पत्नी श्री ओमप्रकाश मारवाल)

का स्वर्गवास 26 सितम्बर, 2023 को हो जाने पर
हम सभी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

फूला देवी-रामदयाल (माता-पिता), अमिता-रमेश, नमिता-दिनेश व अंजना-सतीश (भाभी-भ्राता), मेघावी-पारितोष (भतीजावधु-भतीजा), स्वीटी-मनीष जी व आयूषी-दीपेश जी (भतीजी-दामाद), हिमांश, चारू व जशित (भतीजा-भतीजी), कमला-राधेश्याम जोहरी (दीदी-जीजाजी) एवं गैदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर मो. 9414554322

श्रद्धांजलि

19 अक्टूबर, 2023

हमारे पूजनीय स्वर्गीय

छितरमल कुमावत (कुद्दीवाल)

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए
सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : श्रीमती फूली देवी **पुत्री-दामाद :** श्रीमती कान्ता देवी-(पत्नी स्व. श्री अशोक कण्डेरीवाल), श्रीमती संतोष-उमाशंकर जी बालोदिया, भानू प्रिया-महेन्द्र जी मारवाल **पुत्र-पुत्रवधु :** गणेश नारायण-आशा देवी, नान्छीलाल-मंजू देवी, प्रकाशचन्द-संतोष, शंकरलाल-सुमित्रा, राकेश **पौत्र-पौत्रवधु :** सुरेन्द्र-मीनाक्षी, नरेन्द्र-मोनिका, विजेन्द्र-प्रिया, सोनू-शेफाली, मोनू, सुभाष, विशाल, रानू, शानू **प्रपौत्र-प्रपौत्री:** भव्य, तन्मय, अवी, भवी, अदिति, नव्या, समन्वी, वान्या एवं समस्त कुद्दीवाल परिवार।

प्रतिष्ठान **गणेश स्टोन कंपनी** ए-88, रघुनाथपुरी, बोरिंग चौराहा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-302012

प्लाट नं. 90-91, मार्ग नं. ए-7, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, जयपुर-302012
मो. 9352829619, 9887033126

श्रद्धांजलि

षष्ठम पुण्यतिथि

शत्-शत् नमन

स्व. श्रीमती मिन्टो देवी
बैकुण्ठधाम 22.09.2017

स्व. श्री वीरसेन जी मारोठिया
(म्यूजियम असिस्टेन्ट एवं आर्टिस्ट)
SMS मेडिकल कॉलेज, जयपुर
बैकुण्ठधाम 13.08.2017

"कर्म, वचन और व्यवहार से जो हर मन में जगह बनाते हैं,
दूर चले जाने के बाद भी वो सदा साथ रहते हैं।"

-: श्रद्धावनत :-

सुरेन्द्र-उषा देवी (पुत्र-पुत्रवधू), चन्द्रमोहन (सचिव, राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ) (पुत्र) श्रीमती तारा देवी-स्व. श्री संतोष घोडेला (बहन-बहनोई) स्व. श्री लालचन्द मारोठिया (चाचा) रामनारायण, गोपालन, देवकीनन्दन (भाई), हेमराज-छोटीलाल (भतीजे), तनिष्क, राहुल, रोहित, अंशुल, हर्षित, चिन्टू (पौत्र), दर्श (पड़-पौत्र), श्रीमती पूर्णिमा-श्रीरमेश ब्याड़वाल, श्रीमती अन्नू-श्री कैलाश देवतवाल (पुत्री-दामाद), श्रीमती जया-श्री हेमन्त कुलचाण्या (दोहिती-दामाद) विजयन्त, यशवन्त, मोहित (दोहिते), कृतिका (दोहिती)

चुनरी पक्षः- श्री सुमेरचन्द मण्डावरा-श्रीमती सीता देवी (भाई-भाभी), विनोद-चन्दा, तरूण-विनिता, अमित-ऋतु, हितेश-कंचन एवं समस्त मण्डावरा परिवार

श्रीमती दमयन्ती-स्व. श्री चन्दालाल जी बालोदिया (बहन-बहनोई), जितेश-हेमा, नीरज बालोदिया।

पताः- चाइल्ड बड्स स्कूल, शिल्प कॉलोनी, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
मोबाइलः- 9314820385

Jkj यशोदा कान्हा कॉन्टेस्ट में भाग लिया गिफ्ट लेते हुए रैनित सिंह दिल्लीवाल

शुभेच्छु

श्री दिलिप सिंह जी व श्रीमती शकुन देवी (दादा-दादी)
श्री अंकित - श्रीमती रेणु (माता-पिता)
श्री फनिश (चाचा)

पता- दयासदन, प्लाट न. 3 शान्ति नगर, बैनाड़ रोड दादी का फाटक विकास स्कूल के पास, जयपुर 302012

श्री राम प्रकाश मारोठिया

श्री राम प्रकाश मारवाल

श्री रमेश गैदर

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के
श्री राम प्रकाश मारोठिया अध्यक्ष व
श्री राम प्रकाश मारवाल उपाध्यक्ष
चुने जाने तथा
श्री रमेश गैदर
को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के
सम्पादक मनोनीत करने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)
डी 114, सिवाड एरिया, बापुनगर, जयपुर
मो.9414994006

LAM

लक्ष्मी आभूषण मन्दिर

सोने, चाँदी, कुन्दन एवं डायमण्ड के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

विरेन्द्र सिंह 9829079497
सुरेन्द्र सिंह 9829051351
रनवीर सिंह 6360199010

☎ 0141 - 2705511
0141 - 4019497
SB-107, यूनिवर्सिटी मार्ग, बापू नगर, जयपुर

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

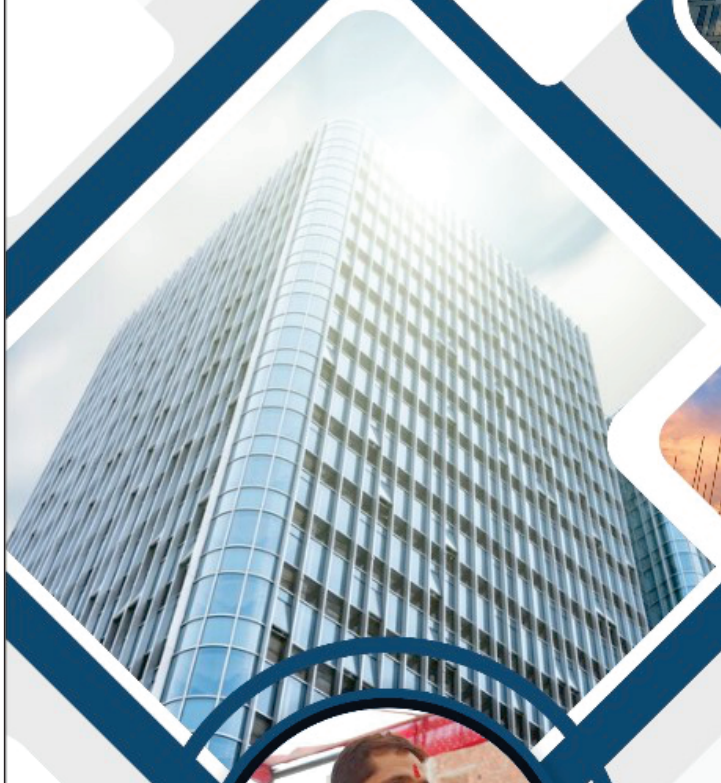

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ब., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018